राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार,१६ मई २०२१ वर्ष-४, अंक -११२ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अरब सागर में उठ रहा चक्रवात

18 मई को गुजरात के तट से टकराएगा ताऊ ते; महाराष्ट्र, केरल और कर्नाटक में भी भारी बारिश की आशंका

नई दिल्ली। गुजरात और महाराष्ट्र समेत पांच राज्यों पर अरब सागर में बन रहे चक्रवात 'ताऊ ते' का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक 18 मई को यह चक्रवात गुजरात के तटवर्ती क्षेत्रों से टकराएगा। इस दौरान बारिश के साथ 175 चक्रवातक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इस तूफान का असर गुजरात-महाराष्ट्र के अलावा केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक पर भी हो सकता है। इस चक्रवात को म्यांमार ने ताऊ ते नाम दिया है।

6 पॉइंट में समझें तूफान का असर

15 मई को लक्षद्वीप में भारी बारिश की आशंका है। यहां 16 और 17 मई को अन्य जगहों पर भी बारिश संभव।

तमिलनाडु के घाट जिले में भी 16 मई को तेज बारिश हो सकती है।

कर्नाटक के तटवर्ती जिलों में भी इस तूफान का असर रहेगा। यहां भी बारिश के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं।

कोंकण और गोवा में 15-16 मई को भारी

से बहुत भारी बारिश की आशंका।

गुजरात के सौराष्ट्र में 16-17 मई को भारी बारिश हो सकती है। 18 मई को कच्छ में भी तेज बारिश की आशंका।

केरल के पांच जिलों तिरुवनंतपुरम, कोलम, पठानामठिता, अलपुझा और एर्नाकुलम में रेड अलर्ट जारी।

NDRF की 53 टीमें अलर्ट पर

NDRF के महानिदेशक एसएन प्रधान ने बताया- NDRF की 53 टीमों को केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात और महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्रों पर तैनात किया जा रहा है।

केरल में एक दिन पहले 31 मार्च को पहुंच सकता है मानसून

देश में इस बार मानसून एक दिन पहले दस्तक दे सकता है। मौसम विभाग की मानें तो केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून एक दिन पहले यानी 31 मई को पहुंच सकता है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को बताया कि आम तौर पर राज्य में मानसून 1 जून को दस्तक देता है, लेकिन इस बार इसके 24 घंटे पहले ही पहुंचने का अनुमान है।

विभाग के मुताबिक, इस बार जून से सितंबर के बीच बारिश सामान्य रहने की ही संभावना है। इस साल सीजन में 96-104त्न बरसात होने की संभावना है। यह लगातार तीसरा साल है, जब IMD ने अच्छी बारिश की भविष्यवाणी की है। इससे पहले 2019-20 में भी सामान्य बारिश का अनुमान लगाया गया था।

22 मई के आसपास बंगाल की खाड़ी पहुंचेगा मानसून

मौजूदा अनुमान के मुताबिक, दक्षिणी-पश्चिमी मानसून 22 मई तक अंडमान के सागर तक पहुंचेगा। इसके चलते अरब सागर में चक्रवाती तूफान बनने की आशंका है। अरब सागर के ऊपर पश्चिमी विक्षोभ मजबूत हो रहा है। ये 20 मई तक बंगाल की खाड़ी में और ज्यादा मजबूत होकर पहुंचेगा। इसकी वजह से बंगाल की खाड़ी और अंडमान में 21 मई से बारिश होगी। अंडमान और निकोबार तटों पर 22 मई तक पहुंचने की संभावना है।

मौसम विभाग (IMD) की ओर से बताया गया कि देश में मानसून की शुरुआती बारिश दक्षिण अंडमान सागर से होती है और उसके बाद मानसूनी हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा में बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ती हैं।

भारत में हर रिश्ते पर रखे गए हैं गांवों के नाम पर मां के नाम पर कोई नहीं

नई दिल्ली। विश्व परिवार दिवस है। रोजी-रोटी के लिए घर से दूर रहने वाले लोगों के लिए कोरोना काल में परिवार की अहमियत बढ़ गई है। परिवार से आशय केवल पति, पत्नी और बच्चों से नहीं, बल्कि उस परिवार से है, जिसमें मां है, बाबू जी हैं, दादा हैं दादी हैं। चाचा हैं। चाची हैं। भइया हैं। भाभी हैं। नाना से जुड़ाव है और नानी की कहानी भी है। यही वजह है कि भारत में हर करीब-करीब हर रिश्ते के नाम पर गांव और कस्बें मिल जाएंगे पर दुनिया के सबसे पवित्र रिश्ते यानी माँ के नाम पर देश में कोई गांव या क़स्बा नहीं है। जबकि, बहन के नाम पर 8, पिता 6, मामा 3 और एक गांव मामी के नाम पर भी है।

दो सौ गांव-कस्बों के नाम के आगे या पीछे नाना या नानी

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि देशभर में सैकड़ों ऐसे गांव-कस्बे हैं, जहां से इन रिश्तों की खुशबू आती है। इनमे सबसे ज्यादा गांव-कस्बे नाना और नानी के नाम पर हैं। दो सौ गांव-कस्बों के नाम के आगे या पीछे नाना या नानी जुड़ा हुआ है। जितने नाना उतने नानी। जिस गुजरात में मोटा भाई सबसे ज्यादा बोला जाता है, वहां 91 गांव-कस्बे नानी और 82 नाना के नाम पर हैं । इसके बाद हिमाचल प्रदेश में 4, राजस्थान में 2, उप्र और मप्र में एक-एक गांव नाना के नाम पर हैं दादा-दादी के नाम पर सिर्फ 30 गांव हैं। इनमें से 16 दादा और 14 दादी के नाम पर। दादा के नाम पर सबसे ज्यादा चार-चार गांव हिमाचल और उप्र में हैं, वहीं उत्तराखंड में तीन, राजस्थान और अरुणाचल प्रदेश में दो-दो व पंजाब में एक गांव दादा के नाम पर है। दादी की बात करें तो सबसे ज्यादा 6 गांव या कस्बे मप्र में हैं। जबकि, उप्र में चार, उड़ीसा, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और अरुणाचल प्रदेश में एक-एक है। इसके आलावा काका-काकी के नाम पर भी अलग-अलग राज्यों में 11 गांव हैं ।

अगले हफ्ते लॉन्च की जाएगी DRDO की कोरोनारोधी दवा 2-डीजी, हर स्ट्रेन पर है कारगर

नई दिल्ली। कोरोना मरीजों के इलाज के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की दवा 2 डीआक्सी-डी ग्लूकोज (2-डीजी) की 10 हजार डोज का पहला बैच अगले हफ्ते की शुरुआत में लॉन्च किया जाएगा। ये जानकारी डीआरडीओ के अधिकारियों ने दी है। अधिकारियों ने कहा कि भविष्य में दवा के इस्तेमाल के लिए उत्पादन में तेजी लाने का काम किया जा रहा है। ये दवा डीआरडीओ के वैज्ञानिकों की एक टीम ने बनाई है। ऐसा माना जा रहा है कि दवा 2-डीजी कोरोना के इलाज में गेम चेंजर साबित हो सकती है। कोरोना के गंभीर मरीजों के लिए यह दवा किसी संजीवनी से कम नहीं है। 2डीजी के साइड इफेक्ट के बारे में डॉक्टर्स बताते हैं कि सामान्य कोशिकाओं का मेटाबालिज्म (भोजन को ऊर्जा में परिवर्तित करने की प्रक्रिया) संक्रमित कोशिकाओं से बिल्कुल अलग होती है। दवा की मात्रा सामान्य कोशिकाओं तक कम ही जाती है और उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचाती।

कोविड-19 के हर स्ट्रेन पर कारगर

डीआरडीओ के वैज्ञानिकों के मुताबिक, 2डीजी कोरोना के हर स्ट्रेन से लड़ने में सक्षम है। इस दवा का मैकेनिज्म वायरस के प्रोटीन के बजाय, मानव कोशिकाओं के ही प्रोटीन में बदलाव कर देता है, जिससे वायरस कोशिका के अंदर पनाह ही नहीं ले पाता है। वहीं बाकी की एंटी वायरल दवाएं वायरस के ही प्रोटीन पर ही वार करतीं हैं और जब वायरस

में म्युटेशन हो जाता है तो दवाइयां काफी हद तक निष्प्रभावी हो जाती हैं। इससे वायरस किसी भी स्ट्रेन का हो वह बेकार है। हैदराबाद स्थित डॉ. रेड्डी लैब द्वारा 2डीजी पर चलाए गए क्लीनिकल ट्रायल के प्रमुख वैज्ञानिक रहे आइएनएमएस के डॉ. अनंत नारायण भट्ट और डॉ. सुधीर चांदना ने देखा है कि तीसरे चरण के ट्रायल में यह दवा कई वैरिएंट्स पर प्रभावी है।

फ्रांस से भारत आएंगे 4 और राफेल लड़ाकू विमान

नई दिल्ली। राफेल लड़ाकू विमान का एक और जत्था 19-20 मई को फ्रांस से भारत पहुंचने वाला है। ये चारो विमान मेरिग्नैक-बोर्डो एयरबेस से अंबाला पहुंचने वाले हैं। इसके साथ ही भारतीय वायु सेना पश्चिम बंगाल के हाशिमारा में 101 'फाल्कन्स ऑफ चंब' स्क्वाड्रन को फिर से जीवित करने के लिए तैयार है। आपको बता दें कि भारत में राफेल की लैंडिंग की सही तारीख यूएई वायु सेना के द्वारा हवा में ईंधन भरने की उपलब्धता और मौसम की स्थिति को देखकर निर्धारित की जाएगी। इक बात की प्रबल संभावना है कि फ्रांस अप्रैल 2022 से पहले ही सभी 36 राफेल लड़ाकू विमान भारत को सौंप देगा। इसकी घोषणा संसद में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी की थी। उन्होंने कहा था कि मई के अंत तक भारतीय वायु सेना के पास 24 राफेल लड़ाकू जेट होंगे। अन्य सात को फ्रांस में प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए रखा जाएगा और दो स्क्वाड्रन के पूरा होने से पहले केवल पांच और सौंपे जाएंगे। अंतिम पांच विमान 2021 की दूसरी छमाही में भारत को दिए जा सकते हैं

क्योंकि मिस्र ने भी 30 राफेल लड़ाकू विमानों का ऑर्डर दिया है। दूसरे स्क्वाड्रन का होम बेस हाशिमारा होगा। उसके रनवे, गोला-बारूद डिपो, ब्लास्ट पेन और कर्मियों के आवास के अलावा रखरखाव के लिए जरूरी सामग्रियों के साथ तैयार किया जा रहा है। एक एयर मार्शल ने कहा, 'हाशिमारा हवाई अड्डे को पूरी तरह से नया रूप दिया गया है। इस महीने के अंत तक इसे चालू कर देना चाहिए। यहां विमान पार्क किए जाएंगे। युद्ध के समय में, लड़ाकू योजना के अनुसार देश में कहीं से भी लड़ाकू विमानों का संचालन होगा।' आपको बता दें कि भारत अपने 126 मध्यम बहु-भूमिका वाले लड़ाकू विमानों (एमएमआरसीए) की रुकी हुई आवश्यकता को पूरा कर रहा है। इसके लिए अधिक फ्रंट-लाइन लड़ाकू विमानों की खरीद की दिशा में आगे बढ़ रही है। आपको बता दें कि फ्रांस ने न केवल भारत को हॉट इंजन तकनीक की पेशकश की है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइल के विस्तारित रेंज को संयुक्त रूप से विकसित करने के लिए भी तैयार है। फ्रांसीसी इंजन निर्माता Safran ने पहले ही 100 किलो न्यूटन थ्रस्ट तक के विमान इंजनों को संयुक्त रूप से विकसित करने के साथ-साथ हॉट इंजन तकनीक को साझा करने की पेशकश की है।

गोवा में कोरोना की दूसरी लहर से बुरा हाल, अंतिम संस्कार के लिए श्मशानों के बाहर लंबी कतारें

नई दिल्ली। पूरे देश की तरह गोवा में भी कोरोना वायरस का कहर देखा जा रहा है। राज्य में संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। जिस तरह राज्य के अस्पतालों में कोरोना मरीजों की संख्या में उछाल देखा जा रहा है, वैसे ही कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या भी बढ़ रही है। शवदाह गृहों के बाहर अंतिम संस्कार करने के लिए लंबी लाइने लगी हैं। राज्य के हालात इतने खराब हैं कि मडगांव शहर में स्थित गोवा के सबसे पुराने श्मशान घाटों में से एक को चार अन्य प्लेटफार्मों का निर्माण करना पड़ा और इनमें से तीन को कोरोना से मरने वालों का अंतिम संस्कार करने के लिए समर्पित कर दिया गया। मठग्रामस्थ हिंदू सभा की देखरेख में एक सदी से पुराने श्मशान ने कोविड-19 से मरने वालों के दिए, क्योंकि सभा को पता चला कि कोरोन मृतकों के अंतिम संस्कार में लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

श्मशानों के बाहर लोगों की लंबी कतारें-द फैसिलिट के अध्यक्ष भाई नायक ने कहा, 'हमने कोविड-19 के कारण मरने वाले लोगों का दाह संस्कार करने के लिए अपने दरवाजे खोल दिए, क्योंकि हमने महसूस किया कि उन्हें दूसरों द्वारा नहीं लिया जा रहा था। यह पिछले साल जून में था जब हमें पहली मौत की सूचना मिली थी। उन्होंने कहा कि संस्था सभी धर्मों के कोविड-19 रोगियों का अंतिम संस्कार करने के लिए तैयार है। नाइक ने कहा कि रोगियों का अंतिम संस्कार प्रतिदिन शाम 5 बजे से शाम 6 बजे के बीच किया जाता है। उन्होंने कहा, आप देखेंगे कि लोग अंतिम संस्कार के लिए शवों के साथ कतार में खड़े होते हैं दृश्य बहुत गंभीर है।

भारत में कोरोना की दूसरी लहर की पीक पार! लेकिन 9 राज्यों की स्थिति अभी भी चिंताजनक

नई दिल्ली। विगत सात मई के बाद कोरोना के नए संक्रमणों में लगातार गिरावट बनी हुई है। आईआईटी का मॉडल यह प्रदर्शित कर रहा है कि दूसरी लहर की पीक निकल चुकी है। पिछले एक सप्ताह में संक्रमण नहीं बढ़ा है। संख्या कम ज्यादा हो रही है जो दर्शाता है कि संक्रमण की दर स्थिर हो चुकी है। इसलिए अगले कुछ दिनों के आंकड़ों से स्थिति पूरी तरह से साफ हो पाएगी। आईआईटी कानपुर का सूत्र मॉडल भी यही संकेत दिखा रहा है। आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर मनिंदर अग्रवाल ने संक्रमण में कमी को लेकर ट्वीट किए हैं, जिसमें मॉडल के जरिये दर्शाया है कि संक्रमण में गिरावट दिखाई दे रही है। यह

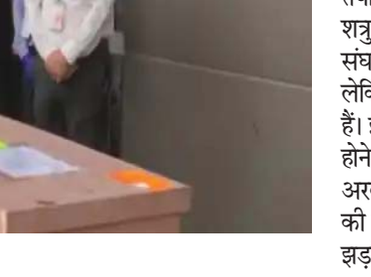

पूछने पर कि क्या पीक निकल चुकी है, उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से यह आ चुकी है। हालांकि, हमें इसे सुनिश्चित करने के लिए कुछ और दिन आंकड़ों पर नजर रखनी होगी।

सूत्र मॉडल ने मई मध्य में पीक आने की संभावना व्यक्त की थी

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 7 मई को देश में कोरोना के सर्वाधिक 4,14,188 नए संक्रमण दर्ज किए गए थे। उसके बाद यह आंकड़ा लगातार कम बना हुआ है। लेकिन इन आंकड़ों के साथ और भी सकारात्मक संकेत हैं। जैसे देश की करीब 60-65 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाले 18 राज्यों में भी संक्रमण की दर पिछले एक सप्ताह से स्थिर है या घट रही है। सिर्फ नौ राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेश ऐसे हैं जहां इसमें अभी भी वृद्धि का रुझान है। विशेषज्ञों की यह भी राय है कि चूंकि कई राज्यों में संक्रमणों में वृद्धि जारी है इसलिए नए संक्रमणों में कमी के बावजूद अगले कुछ महीनों तक नए संक्रमणों में कमी के बावजूद संख्या ऊंची बनी रह सकती है। इसे लाखों से हजारों में आने में लंबा वक्त लग सकता है। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी विभाग के निदेशक प्रोफेसर जुगल किशोर उपरोक्त दोनों आंकड़ों के साथ-साथ सक्रिय मामलों के स्थिर होने और रिकवरी रेट के बेहतर होने को भी सकारात्मक मानते हैं। वह कहते हैं कि दिल्ली समेत कई राज्यों में पीक निकल चुकी है, जिसका असर देशभर के आंकड़ों पर दिखना शुरू हो गया है। आगे भी नए संक्रमणों में कमी जारी रह सकती है।

भारत लाया गया फिलीस्तीनी हमले में मारी गई केरल की महिला का शव, केंद्रीय मंत्री ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। इस सप्ताह की शुरुआत में फिलिस्तीनी रॉकेट हमले में मारे गए केरल की महिला सौम्या संतोष का शव दिल्ली के हवाई अड्डे पर पहुंचा। यहां केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन और इज़राइल के उप दूत रोनी येदिदिया क्लेन ने पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें श्रद्धांजलि दी। सौम्या का शव भारत लाने की जावनकारी विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन ने शुक्रवार को ट्वीट कर दी थी। उन्होंने कहा था कि सौम्या का शव इजराइल से नई दिल्ली होते हुए केरल लाया जा रहा है। इजराइल में 11 मई को फिलीस्तीन की ओर से किए गए रॉकेट हमले में सौम्या की मौत हो गई थी। मुरलीधरन ने आगे कहा, सौम्या का पार्थिव शरीर शनिवार को यहां पहुंचेगा। मैं व्यक्तिगत तौर पर नई दिल्ली में मौजूद रहूंगा। उनकी आत्मा को शांति मिले। इदुक्की जिले के कीरीथोडू की रहने वाली 30 वर्षीय सौम्या इजराइल में पिछले सात वर्षों से घरेलू सहायिका के तौर पर काम कर रही थीं।

इजरायल और हमास के बीच जंग तेज

इजरायली वायुसेना ने हमास के आंतरिक सुरक्षा मुख्यालय और आयुध भंडार पर हमला किया है। सेना की प्रेस सेवा ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने हमला किया। मुख्यालय में रफाह शहर के आंतरिक सुरक्षा सेवा के प्रमुख तथा अन्य विभागों का कार्यालय है।

इजरायल और हमास के बीच जंग तेज हो गया।

इजरायल ने जमीनी आक्रमण की धमकी दी-इजरायल ने कहा कि वह गाजा सीमा पर बड़ी संख्या में सैनिकों को भेज रहा है। उसने हमास शासित क्षेत्र में संभावित जमीनी आक्रमण के लिए 9,000 सैनिकों को तैयार रहने को कहा है। यह दिखाता है कि दोनों शत्रु युद्ध की ओर बढ़ रहे हैं। मिस्र के मध्यस्थ संघर्ष विराम प्रयासों के लिए इजरायल पहुंचे लेकिन इसमें प्रगति के कोई संकेत नहीं दिखे हैं। इजरायल में चौथी रात भी सांप्रदायिक हिंसा होने के बाद लड़ाई और तेज हो गई। यहूदी और अरब समूहों में लॉड शहर में झड़पें हुई। पुलिस की मौजूदगी बढ़ाने के आदेश देने के बावजूद झड़पें हुईं।

लड़ाई ने यहूदी-अरब हिंसा को जन्म दिया

इस लड़ाई ने इजराइल में दशकों बाद भयावह यहूदी-अरब हिंसा को जन्म दिया है। लेबनान से देर रात रॉकेट दागे गए, जिससे इजरायल की उत्तरी सीमा पर एक तीसरे पक्ष के शामिल होने का खतरा पैदा हो गया है। हमास के एक वरिष्ठ निर्वासित नेता सालेह अरुरी ने लंदन स्थित एक चैनल को शुक्रवार को बताया कि उनके समूह ने पूर्ण संघर्ष विराम के लिए और बातचीत करने के लिए तीन घंटे के विराम के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। उन्होंने कहा कि मिस्र, कतर और संयुक्त राष्ट्र संघर्ष विराम प्रयासों की अगुवाई कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अनाथों की सुध

दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने फैसला किया है कि वह कोविड से अनाथ हुए बच्चों की शिक्षा और जीवन-यापन का खर्च उठाएगी। कई बच्चों ने कोरोना संक्रमण से अपने मां-बाप, दोनों को खो दिया है। जिस तरह की खबरें आ रही हैं, उनसे यही आशंका होती है कि ऐसे बच्चों की संख्या काफी होगी। किसी भी संवेदनशील सरकार और समाज की जिम्मेदारी है कि वह ऐसे बच्चों को आर्थिक संकट और असुरक्षा से बचाए। अगर दिल्ली सरकार ऐसा करती है, तो वह अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाएगी। इसके अलावा, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यह भी घोषणा की है कि जिन बुजुर्गों ने अपने बच्चों को खोया है, जो उनके आर्थिक संबल थे, उन्हें भी सरकार की ओर से सहायता दी जाएगी। अच्छा होगा, अगर अन्य राज्य सरकारें भी ऐसी पहल करें। अभी तो कोरोना की लहर चल ही रही है और इस वक्त सबसे बड़ी जरूरत इस लहर को नियंत्रित करने और इससे होने वाले नुकसान को यथासंभव सीमित करने की है। लेकिन जब यह तूफान गुजर जाएगा, तब सबसे बड़ी जरूरत तबाही का जायजा लेने और उससे प्रभावित लोगों को अपना जीवन फिर से पटरी पर लाने में मदद करने की होगी। देश की अर्थव्यवस्था कोरोना की मार के पहले भी कुछ धीमी रफ्तार से चल रही थी और अब महामारी ने तो इसकी गति बहुत ही कम कर दी है। भविष्य में सब कुछ सामान्य हो जाने के बाद भी शायद अर्थव्यवस्था के ठीक-ठाक हालत में आने में काफी वक्त लग जाए। ऐसे में, जो भी लोग अपना आर्थिक सहारा खो चुके हैं, उनके लिए बहुत कठिन हालात होंगे। इनमें बेसहारा बुजुर्ग और अनाथ बच्चे शामिल हैं। इसलिए उन पर विशेष ध्यान देने की और उन्हें सहायता देने की जरूरत होगी। दिल्ली राज्य में यह काम करना अपेक्षाकृत आसान होगा। इसकी एक वजह तो यह है कि दिल्ली एक छोटा, मुख्यत- शहरी राज्य है और यहां कोविड के आंकड़े भी काफी सही-सही उपलब्ध हैं। लेकिन कई सारे राज्यों, खासकर बड़े राज्यों में कोविड के मरीजों और उससे मरने वालों के बारे में आंकड़ों व जानकारी में इतनी हेराफेरी है कि उनके सहारे मदद की कोई योजना बनाना बेकार होगा। कोविड-19 की इस लहर ने ग्रामीण इलाकों में भी मार की है, जहां न जांच की सुविधा है, न इलाज की और जहां कोविड से मरे लोग सरकारी गिनती में आएंगे ही नहीं। दिल्ली तुलनात्मक रूप से एक सुविधा-संपन्न राज्य भी है, जहां सरकारी स्कूल व अन्य सुविधाएं बेहतर हैं और अगर सरकार राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक कौशल दिखाए, तो ऐसी योजनाएं सफल भी हो सकती हैं। आखिरकार तमाम सरकारी योजनाओं की असली कसौटी तो यही होती है कि घोषणाओं और उनके जमीनी रूप में कितना कम फर्क है। देश के अन्य राज्य भी अपने स्तर पर ऐसी लोक-कल्याणकारी योजनाओं पर काम कर सकते हैं। ऐसी योजनाएं सरकारों को उनके तंत्र की शक्तियों और कमजोरियों को पहचानने व बेहतर तंत्र बनाने में मदद कर सकती हैं। कोविड-19 ने हमें यह बता दिया है कि आखिरकार यही काम आता है कि किसी राज्य में सार्वजनिक सेवाएं कितनी चुस्त हैं। बहुत अमीर राज्य में भी अगर सरकारी व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त नहीं हैं, तो वह किसी संकट का सामना नहीं कर सकता। कोविड संकट ने कभी न भुलाने वाला यह सबक हमें सिखाया है।

आज के ट्वीट

विभाजनकारी नीति का परिचायक

मत और मजहब के आधार पर किसी प्रकार का विभेद भारत के संविधान की मूल भावना के विपरीत है। इस समय, मलेरकोटला (पंजाब) का गठन किया जाना कांग्रेस की विभाजनकारी नीति का परिचायक है।

-- योगी आदित्यनाथ

कमजोर वर्ग को राहत देने का वक्त

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 13 मई को लॉकडाउन के कारण प्रवासी मजदूरों की बढ़ती बेरोजगारी और बढ़ते पलायन पर संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पिछले साल प्रवासी मजदूरों की मदद के लिए शीर्ष अदालत ने जो कई आदेश दिए थे, उनका पालन नहीं हुआ है। कोर्ट ने केंद्र, दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश सरकार को आदेश दिया कि एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में फंसे मजदूरों को सूखा राशन उपलब्ध कराया जाए। साथ ही उनके लिए सामुदायिक रसोई भी शुरू करने पर विचार किया जाए और इसके लिए मजदूरों से कोई पहचान-पत्र भी न मांगा जाए। इन दिनों देश में कहीं लॉकडाउन, तो कहीं लॉकडाउन जैसी कठोर पाबंदियों और जनता कर्फ्यू के कारण गरीबों और श्रमिकों सहित संपूर्ण कमजोर वर्ग की मुश्किलें बढ़ गई हैं। ऐसे में बड़ी संख्या में लोगों द्वारा भारत में गरीबी और निम्न आमदनी वाले लोगों की चुनौतियां बढ़ने से संबंधित दो शोध रिपोर्टों को गंभीरतापूर्वक पढ़ा जा रहा है। इन दो रिपोर्टों में से पहली रिपोर्ट 7 मई को अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी द्वारा प्रकाशित की गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले वर्ष कोविड-19 संकट के पहले दौर में करीब 23 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे जा चुके हैं। ये वे लोग हैं, जो प्रतिदिन राष्ट्रीय न्यूनतम पारिश्रमिक 375 रुपये से भी कम कमा रहे हैं। दूसरी रिपोर्ट अमेरिकी शोध संगठन प्यू रिसर्च सेंटर द्वारा प्रकाशित की गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना महामारी ने भारत में बीते साल 2020 में 7.5 करोड़ लोगों को गरीबी की दलदल में धकेल दिया है। रिपोर्ट में प्रतिदिन 2 डॉलर यानी करीब 150 रुपये कमाने वाले को गरीब की श्रेणी में रखा गया है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) द्वारा हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि मार्च 2021 की तुलना में अप्रैल 2021 महीने में देश ने 75 लाख नौकरियां गंवाई हैं। इसके कारण बेरोजगारी दर बढ़ी है। लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 महामारी बढ़ने के साथ कई राज्यों ने %लॉकडाउन% समेत अन्य पाबंदियां लगायी हैं। इससे आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिकूल असर पड़ा है और फलस्वरूप नौकरियां प्रभावित हुई हैं। इससे अप्रैल 2021 में बेरोजगारी दर चार महीने के उच्च स्तर 8 प्रतिशत पर पहुंच गयी है। शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 9.78 प्रतिशत है जबकि ग्रामीण स्तर पर बेरोजगारी दर 7.13 प्रतिशत है। इससे पहले, मार्च 2021 में बेरोजगारी दर 6.50 प्रतिशत थी और अप्रैल 2021 की तुलना में ग्रामीण तथा शहरी दोनों जगह यह दर अपेक्षाकृत कम थी। उल्लेखनीय है कि अभी जहां देश का गरीब और श्रमिक वर्ग पिछले वर्ष 2020 में कोरोना की पहली लहर के थपेड़ों से मिली आमदनी घटने और रोजगार मुश्किलों से पूरी राहत भी महसूस नहीं कर पाया है, वहीं अब फिर से देश में कोरोना की दूसरी घातक लहर के कारण गरीब एवं श्रमिक वर्ग की चिंताएं बढ़ गई हैं। खासतौर से छोटे उद्योग-कारोबार और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक वर्ग की रोजगार व पलायन संबंधी चुनौतियां उभरकर दिखाई दे रही हैं। औद्योगिक शहरों से एक बार फिर रेलों, बसों और सड़क मार्ग से प्रवासी मजदूरों का पलायन दिखाई दे रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि कोविड-19 से जंग में पिछले वर्ष 2020 में सरकार द्वारा घोषित किए गए आत्मनिर्भर भारत अभियान और 40 करोड़ से अधिक गरीबों, श्रमिकों और किसानों के जन धन खातों तक सीधी राहत पहुंचाई जाने से कोविड-19 के आर्थिक दुष्प्रभावों से देश के कमजोर वर्ग को बहुत कुछ बचाया जा सका है। अब स्थिति यह है कि पिछले वर्ष कोरोना की पहली लहर के कारण देश के जो करोड़ों लोग गरीबी के बीच आर्थिक-सामाजिक चुनौतियों का सामना करते हुए दिखाई दे रहे थे, उनके सामने अब कोरोना की दूसरी लहर से निर्मित हो रही नई मुश्किलों से निपटने की बड़ी चिंता खड़ी हो गई है। निःसंदेह देश में कोरोना के दूसरे घातक संक्रमण के बीच गरीब और श्रमिक वर्ग को मुश्किलों से बचाने के लिए तीन सूत्रीय रणनीति को अपनाया जाना उपयुक्त होगा। एक, सरकार द्वारा गरीबों और श्रमिकों के हित में अधिकतम कल्याणकारी कदम आगे बढ़ाए जाने होंगे। दो, गांवों में लौटते श्रमिकों के रोजगार के लिए मनरेगा पर आवंटन बढ़ाया जाना होगा। तीन, उद्योग कारोबार को उपयुक्त राहत दी जानी होगी, ताकि बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर बचाए जा सकें। निश्चित रूप से केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा गरीबों को राहत दिए जाने के अधिक उपाय सुनिश्चित किए जाने होंगे। पिछले माह 23 अप्रैल को केंद्र सरकार ने गरीब परिवारों के लिए एक बार फिर प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का ऐलान किया है। इस योजना के तहत केन्द्र सरकार राशनकार्ड धारकों को मई और जून महीने में प्रति व्यक्ति 5 किलो अतिरिक्त अन्न चावल या गेहूं मुफ्त में देगी। इससे 80 करोड़ लाभार्थी लाभान्वित होंगे। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना पर 26000 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च होंगे। कोरोना से अधिक प्रभावित राज्य सरकारों द्वारा भी गरीबों और श्रमिकों के लिए उपयुक्त राहतकारी योजनाएं शीघ्र घोषित की जानी होंगी। चूंकि इस समय कई औद्योगिक राज्यों से उद्योग-कारोबार पर संकट होने के कारण फिर से बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिक अपने गांवों की ओर लौट रहे हैं, ऐसे में मनरेगा को एक बार फिर प्रवासी श्रमिकों के लिए जीवन रक्षक और प्रभावी बनाना होगा। हाल ही में प्रकाशित एसबीआई की रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक पिछले माह अप्रैल 2021 में मनेरगा के तहत गांवों में काम की मांग अप्रैल 2020 के मुकाबले लगभग दोगुनी हो गई है। जहां अप्रैल 2020 में मनेरगा के तहत करीब 1.34 करोड़ परिवारों की तरफ से काम की मांग की गई थी, वहीं अब अप्रैल 2021 में करीब 2.73 करोड़ परिवारों को रोजगार दिया गया है। मनरेगा के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने हेतु चालू वित्त वर्ष 2021-22 के बजट में मनरेगा के मद में रखे गए 73,000 करोड़ रुपये के आवंटन को बढ़ाया जाना जरूरी होगा। निःसंदेह गरीब एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के रोजगार से जुड़े सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) को संभालने के लिए राहत के प्रयासों की जरूरत होगी। इसमें कोई दो मत नहीं है कि 5 मई को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने व्यक्तिगत कर्जदारों एवं छोटे कारोबारों के लिए कर्ज पुनर्गठन की जो सुविधा बढ़ाई है और कर्ज का विस्तार किया है, उससे छोटे उद्योग-कारोबार को लाभ होगा। इन नयी सुविधाओं के तहत 25 करोड़ रुपये तक के बकाये वाले वे कर्जदार अपना ऋण दो साल के लिए पुनर्गठित करा सकते हैं, जिन्होंने पहले मॉरेटोरियम या पुनर्गठन का लाभ नहीं लिया है। यह घोषित सुविधा 30 सितंबर, 2021 तक उपलब्ध होगी। बैंक उद्योग-कारोबार से इस संबंध में अनुरोध प्राप्त होने के 90 दिन में ऋण का पुनर्गठन करेंगे। इस योजना के तहत 31 मार्च तक के मानक ऋण का पुनर्गठन किया जाएगा। लेकिन अभी एमएसएमई को कुछ अधिक राहत देकर रोजगार बचाने के साथ-साथ श्रमिक वर्ग को पलायन से रोका जाना होगा। एमएसएमई के लिए एक बार फिर से लोन मोरेटोरियम योजना लागू की जानी लाभप्रद होगी। आपात ऋण सुविधा गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) को आगे बढ़ाने या उसे नये रूप में लाने जैसे कदम राहतकारी होंगे।

लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं।

ज्ञान गंगा

उल्टा अध्यात्म

श्रीराम शर्मा आचार्य

सच्चा अध्यात्म वह है जो मनुष्य को आदर्शवादिता एवं उत्कृष्टता की विचारणा से ओत-प्रोत करे। पर आज के प्रचलित तथा कथित अध्यात्म की दिशा बिल्कुल उल्टी है। वह व्यक्ति को भावनात्मक उत्कर्ष की ओर उठाने की अपेक्षा पतनोन्मुख बनाने में सहायक हो रहा है। भगवान की कृपा प्राप्त करने के लिए तीर्थ स्नान, देव-दर्शन, भजन-कीर्तन आदि के कर्मकांड ही पर्याप्त मान लिए गए हैं। लोगों ने सोचना छोड़ दिया है कि इन कर्मकांडों का उद्देश्य भवगान की न्यायकारी सर्वव्यापक सत्ता का हर घड़ी स्मरण दिलाते रहना मात्र है। इस स्मरण का प्रयोजन है कि व्यक्ति सब में ईश्वर की झांकी करके हर किसी से सद्व्यवहार में निरत रहे। यदि देव-दर्शन, भजन-कीर्तन आदि द्वारा सदाचरण एवं परमार्थ की भावना उदय हो तो ही इन कर्मकांडों का महत्त्व है। 'भाग्यवाद' एवं 'ईश्वर की इच्छा से सब कुछ होता है' जैसी मान्यताएं विपत्ति में असंतुलित न होने एवं संपत्ति में अहंकारी न होने के लिए एक मानसिक उपचार मात्र है। हर समय इन मान्यताओं का उपयोग अध्यात्म की आड़ में करने से तो व्यक्ति कायर, अकर्मण्य और निरु त्साही हो जाता है। सोचता है, अपने करने से क्या होगा, जो भाग्य में होगा, ईश्वर की इच्छा होगी, वही होगा। पुरु षार्थ की दौड़धूप करने से क्या लाभ? इस प्रकार की मान्यता वाले की प्रगति का क्रम समाप्त हो गया ही समझना चाहिए। देव शक्तियों से लोग अपने में देवत्व के अवतरण की मांग करते, उनकी विशेषताओं, प्रेरणाओं एवं महानताओं को अपने में जागृत करने की आशा रखते तो देव पूजन का प्रयोजन सिद्ध होता। पर अब तो लोग देव पूजन इस शर्त पर करते हैं कि हमारी अमुक मनोकामना बिना पुरुषार्थ किए अथवा योग्यता उत्पन्न किए ही देव कृपा से अनायास ही पूरी हो जाए। इस विकृति का परिणाम हुआ कि लोग अपनी योग्यता बढ़ाने एवं पुरु षार्थ करने में जो प्रयत्न करते, उन्हें छोड़कर परावलंबी होते चले गए और उन्हें दीन-दरिद्र रहना पड़ा। उल्टी और विकृत मान्यताएं किसी को कुछ लाभ नहीं दे सकतीं, केवल दुर्बलता और हानि ही प्रस्तुत कर सकती हैं। ऐसी मान्यताओं से उबरना चाहिए और सच्चे अध्यात्म का अवलंबन लेना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

वैक्सीन और सावधानियों से ही रुकेगा कोविड

डॉ. जगत राम, डॉ. राकेश कुमार कोछड़

भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर ने फिलहाल कोहराम मचा रखा है। वैश्विक दैनिक पॉजिटिव मामलों का लगभग आधा और मृत्यु दर का एक-चौथाई हिस्सा केवल भारत में दर्ज हो रहा है। फिक्र यह कि परीक्षणों में पॉजिटिव दर लगभग 20 फीसदी आ रही है, कुछेक राज्यों में तो यह करीबन 30 प्रतिशत तक है। दूसरी लहर पहली वाली के मुकाबले ज्यादा आक्रामक है, क्योंकि तब एक दिन में आए पॉजिटिव मामलों की संख्या ज्यादा-से-ज्यादा 97000 से कुछ अधिक दर्ज की गई थी। पिछले साल जनवरी माह से शुरू हुई वैश्विक महामारी के बाद अनेक देश तो कई लहरें भुगत चुके हैं। अमेरिका में दो लहरें पिछले साल अप्रैल और जुलाई में तो एक जनवरी 2021 में आई थी, तीसरी सबसे घातक रही। इंग्लैंड में भी दो, गत वर्ष अप्रैल और अक्तूबर-नवंबर में तो एक इस साल जनवरी में आई थी, यहां भी आखिरी वाली अधिक मारक थी। वायरस प्रवृत्ति अपनी जैविक संरचना में लगातार बदलाव करके कई म्यूटेशन (रूपांतर) और किस्में बनाता रहता है। इससे अधिक संक्रमण दर, तीव्रता और दवा की प्रभावशीलता घटने का खतरा पैदा हो जाता है। अमेरिका का छूत रोग नियंत्रण विभाग (सीडीसी) वायरस के रूपांतरों को तीन मुख्य श्रेणियों में रखता है। ये वेरिंयट ऑफ इंट्रैस्ट, वेरिएंट ऑफ कंसर्न, वेरिएंट ऑफ हाई कोंसिक्वेंसेस हैं। कोविड-19 के जिन रूपांतरों की शिनाख्त अब तक हो चुकी है: बी.1.1.7 (अमेरिका), बी.1.3.351 (दक्षिण अफ्रीका), पी.1 (ब्राज़ील) और बी.1.427 और बी.1.429 (केलिफोर्निया)। इंडियन सार्स-कोव-2 जीनोमिक कंसोर्टियम ने अपने अध्ययन में पाया है कि भारत में दो चिंताजनक रूपांतरों के घालमेल से एक नया दोहरे रूपांतर वाला वायरस बन चुका है, इसके मां-बाप में एक वह है, जिसकी शिनाख्त पहली बार केलिफोर्निया में हुई थी तो दूसरे वाला दक्षिण अफ्रीका एवं ब्राज़ील में मिला है। अमेरिकी संस्थान ने भारतीय संस्करण को बी.1.617 नाम देते हुए 'चिंताजनक श्रेणी' में रखा है, आगे इसके 3 उप-रूपांतर हैं। पंजाब में यूके वाला, महाराष्ट्र-कर्नाटक में दोहरा भारतीय रूपांतर चला हुआ है तो तेलंगाना में दक्षिण अफ्रीका वाली किस्म ज्यादा व्याप्त है। अब डर यह है कि कहीं नए रूपांतर पर टीके का असर विशेष न हो पाए। परंतु, गनीमत है कि उपलब्ध वैक्सीन अब तक पहचाने गए रूपांतरों पर भी प्रभावशील पाई गई है। प्रभावित लोगों का इलाज सतत प्रयासों से करते हुए और ठीक इसी वक्त आबादी के लगभग 60-70 हिस्से का टीकाकरण करके बीमारी और संक्रमण कड़ी को भंग करना होगा। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने हाल ही में बीमारी को तीव्रता के मुताबिक निम्न, मध्यम और उच्च श्रेणी में बांटकर तदनुसार इलाज के दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इनमें साफ परिभाषित है कि कम लक्षणों वाले मरीज को घर में एकांतवास से ठीक किया जाए, और जब ब्लड ऑक्सीजन लेवल 94 प्रतिशत से नीचे जाए तभी डॉक्टरी सलाह की जरूरत है। उपचार के विभिन्न अवयव जैसे कि ऑक्सीजन लगाना और रेमडेसिविर जैसी दवा का प्रयोग कब करना है, इसे एकदम स्पष्ट रेखांकित किया गया है। अगर उपचार लीक का सख्ती से पालन किया जाए तो हम अपने सीमित संसाधनों से भी उत्तम परिणाम प्राप्त कर सकते हैं और ठीक होने वाले मरीज़ों का प्रतिशत सुधार पाएंगे। उपचार संहिता की सही संहिता की जानकारी, खासकर छोटे अस्पतालों के चिकित्सकों तक पहुंचाने की फौरी जरूरत है। ठीक इसी समय यह जागृति बनाई जाए कि मरीज अनावश्यक घबराएं नहीं या घर में दवा-आक्सीजन की जमाखोरी न करें।

कोरोना की रोकथाम में कोविड रोधक उपाय (मास्क, निजी साफ-सफाई, सामाजिक दूरी) के अलावा सबसे कारगर हथियार टीकाकरण है। स्पैनिश फ्लू महामारी ने दुनिया भर में लंबे समय तक कोहराम मचाए रखा था क्योंकि उस वक्त कोई प्रभावी इलाज या टीका उपलब्ध नहीं था। आज हमारे पास कोविड-19 के लिए कई किस्म की वैक्सीन हैं जिनमें प्रत्येक की प्रभावशीलता 80 से 95 फीसदी के बीच है। दुनियाभर से प्राप्त अनुभव बताता है कि व्यापारिक, आर्थिक और पर्यटन गतिविधियां सामान्य हो पाएं, इसके लिए व्यापक टीकाकरण ही एकमात्र कारगर उपाय है। द लांसेट नामक पत्रिका में इस्राइल से आए एक ताजा लेख में बताया गया है कि फाइज़र-बायोएनटेक वैक्सीन की दोनों खुराकें लगने के बाद व्यक्ति की कोविड-19 से संक्रमण, अस्पताल भर्ती, मृत्यु संभावना में 95 प्रतिशत से अधिक कमी पाई गई है। यह वैक्सीन की प्रभावशीलता का ही असर है कि अमेरिका, इंग्लैंड, इस्राइल और कई यूरोपियन में जनजीवन फिर से सामान्य होने लगा है। दरअसल, दूसरा टीका लगने के बाद वैक्सीन की पूरी प्रभावशीलता बनने में कम-से-कम दो सप्ताह लगते हैं। तथापि कुछ लोग पहला टीका लगने के बाद अपना सावधानी स्तर घटा देते हैं। सांख्यिकी अध्ययनों के मुताबिक कयास है कि मई के मध्य में भारत में कोरोना की दूसरी लहर सबसे ज्यादा उफान पर रहेगी, उम्मीद करें इसके बाद यह घटने लगेगी। तथापि तीसरी लहर की संभावना पर्याप्त टीकाकरण के बूते बनी सामूहिक-प्रतिरोधकता प्राप्त होने तक सिर पर लटकती रहेगी। लिहाजा हमें व्यक्ति-से-व्यक्ति संक्रमण हस्तांतरण रोकने हेतु उचित सामाजिक दूरी बनाना और मास्क लगाना लाजिमी करना होगा। यूएस सेंटर फॉर डिसीज़ कंट्रोल ने अपनी 19 फरवरी, 2021 की मोरबिडिटी एंड मोर्टेलिटी वीकली रिपोर्ट में बताया है कि एकल तह के मुकाबले दोहरी तह वाले मास्क ज्यादा कारगर हैं। यहां ध्यान रखा जाए कि कपड़े वाले मास्क को लगातार धोया जाए और सर्जिकल एवं एन-95 मास्क को प्रत्येक इस्तेमाल के बाद दुबारा उपयोग न किया जाए। ढीला-ढीला रूमाल बांधना या साफा लगाना मास्क का विकल्प कतई नहीं है। सावधानी और वैक्सीन से संभावित तीसरी लहर की तीव्रता को कम करने में सहायता भी मिलेगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

28 मई को होगी GST काउंसिल की 43वीं बैठक, इन मुद्दों पर लिया जाएगा फैसला

(एजेंसी):

माल एवं सेवा-कर (जीएसटी) परिषद की 7 महीने से ज्यादा समय से बैठक न बुलाए जाने को लेकर बढ़ी चिंताओं के बीच वित्त मंत्रालय ने परिषद की बैठक 28 मई को बुलाई है। इसमें कोविड19 संक्रमण के उपचार से जुड़ी औषधियों, ऑक्सीजन और उपकरणों पर कर की दरों के मुद्दे के साथ-साथ राज्यों को राजस्व क्षतिपूर्ति के विषय में भी चर्चा होने की संभावना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जीएसटी परिषद की 43वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगी। उनके कार्यालय ने ट्विटर पर यह जानकारी दी। बैठक वीडिया-कांफ्रेंस के जरिए होगी। यह अप्रैल 2021 से प्रारंभ हुए चालू वित्त वर्ष में जीएसटी परिषद की पहली बैठक होगी। वित्त मंत्री के कार्यालय ने ट्वीट किया, ÷निर्मला सीतारमण 28 मई, 2021 को सुबह 11 बजे नई दिल्ली में वीडियो कांफ्रेंस के जरिए जीएसटी परिषद की 43वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगी। बैठक में राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों के वित्त मंत्रियों और केंद्र तथा राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर भी शामिल होंगे। इससे पहले इसी महीने पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री अमित मित्रा और पंजाब के वित्त मंत्री मनप्रीत बादल ने जीएसटी परिषद की बैठक बुलाने की मांग की थी। उत्पाद शुल्क, सेवा कर और वैट जैसे एक दर्जन से ज्यादा केंद्रीय एवं राज्य करों को मिला कर जुलाई 2017 में एक राष्ट्रीय जीएसटी व्यवस्था लागू की गई। इसमें हर तिमाही में परिषद की कम से कम एक बैठक का प्रावधान है। केंद्र वित्त मंत्री की अध्यक्षता वाले इस परिषद में सभी राज्यों एवं केंद्रशासित क्षेत्रों के वित्त मंत्री/प्रतिनिधि शामिल होते हैं। पश्चिमबंगालके मित्रा ने वित्त मंत्री को एक चिट्ठी लिखी थी जिसमें उन्होंने कहा था कि लगातार दो तिमाहियों में परिषद की बैठक न बुलाने से एक ऐसी संघीय संस्था को हल्का किया गया है जिसमें सभी राज्यों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। नियमित तौर पर बैठक न करने से विश्वास में कमी भी हो सकती है।

भारत की मदद को आगे आया एडीबी 2020 में रिकॉर्ड 3.92 अरब डॉलर के कर्ज मंजूर किए

बिजनेस डेस्क: एशियाई विकास बैंक ने शुक्रवार को कहा कि उसने भारत को 2020 में 13 परियोजनाओं के लिए रिकॉर्ड 3.92 अरब अमेरिकी डॉलर के कर्ज स्वीकृत किए, जिसमें कोविड-19 महामारी की रोकथाम तथा बचाव से संबंधित परियोजनाओं के लिए 1.8 अरब अमेरिकी डॉलर का ऋण शामिल हैं। मनीला स्थित बहुपक्षीय एजेंसी ने कहा कि उसने भारत में महामारी को रोकने और गरीब और अन्य कमजोर समूहों को राहत देने के लिए सामाजिक सुरक्षा उपायों के लिए आपातकालीन सहायता दी है। एडीबी ने शहरी क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए भी सरकार को सहायता दी। एडीबी ने कहा कि 1986 में उसके द्वारा ऋण देने की शुरुआत के बाद से भारत के लिए अब तक की सबसे बड़ी वार्षिक ऋण प्रतिबद्धता है। भारत में एडीबी के कंट्री डायरेक्टर ताकियो कोनिशि ने कहा, ''इसके आगे भी, एडीबी भारत को कोविड-19 संबंधित चुनौतियों का सामना करने के लिए अतिरिक्त संसाधन देने को तैयार है, जिसमें देश के टीकाकरण कार्यक्रम में तेजी लाने और भविष्य के जोखिमों का मुकाबला करने के लिए सक्षम स्वास्थ्य प्रणाली की स्थापना, छोटे कारोबारियों की रक्षा के लिए सहायता और शिक्षा तथा सामाजिक संरक्षण शामिल है।

एनटीपीसी ने कोविड देखभाल केंद्रों में 500 ऑक्सीजन बेड जोड़े

बिजनेस डेस्क: राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम लि (एनटीपीसी) ने कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में अपना भरपूर योगदान देते हुए देशभर के विभिन्न कोविड देखभाल केंद्रों में 500 से अधिक ऑक्सीजन समर्थित बेड और 1,100 आइसोलेशन बेड जोड़े हैं। एनटीपीसी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उसने बदरपुर, नोएडा और दादरी के कोविड देखभाल केंद्रों में 200 ऑक्सीजन समर्थित और 140 आइसोलेशन बेड लगाए हैं। उसने कहा, ओडिशा के सुंदरगढ़ में 500 बेड की क्षमता और बीस वेंटिलेटर के साथ कोविड देखभाल केंद्र तैयार किया गया है। एनटीपीसी ने महत्वपूर्ण कोविड देखभाल केंद्रों में सहायता प्रदान करने के लिए विभिन्न राज्यों में 500 से अधिक ऑक्सीजन समर्थन बेड और 1,100 से अधिक आइसोलेशन बेड जोड़े है। उसने बताया कि दादरी, कोरबा, कनिहा, रामागुंडम, विंध्याचल और बदरपुर के साथ अब उत्तरी करनपुरा, बोंगाईगांव और सोलापुर के कोविड देखभाल केन्द्रों में भी अतिरिक्त सुविधाएं स्थापित की जाएगी। इस बीच एनटीपीसी ने अपने परिचालन में अबतक 70,000 से अधिक कर्मचारियों और सहयोगियों को टीका लगा दिया है। संयंत्र स्थानों पर बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान जारी है। उसने 18 से 44 वर्ष के कर्मचारियों को भी कोरोना का टीका लगाना शुरू कर दिया है।

एस्कॉर्ट्स के चौथी तिमाही का शुद्ध मुनाफा दो गुना बढ़कर 285.41 करोड़ रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी):

कृषि उपकरण और इंजीनियरिंग प्रमुख एस्कॉर्ट्स लिमिटेड ने शुक्रवार को मार्च 2021 को समाप्त चौथी तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ में दो गुना से अधिक 285.41 करोड़ रुपए की वृद्धि दर्ज की। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से मजबूत बिक्री की वजह से है। एस्कॉर्ट्स लिमिटेड ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 127.73 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध मुनाफा दर्ज किया था। समीक्षाधीन अवधि में परिचालन से कंपनी की एकीकृत आय 2,228.75 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले 1,385.65 करोड़ रुपए थी। एस्कॉर्ट्स ने कहा कि चौथी तिमाही में ट्रैक्टर की बिक्री 62.1 प्रतिशत बढ़कर 32,588 इकाई की हुई। 31 मार्च को समाप्त वित्तवर्ष के लिए, एस्कॉर्ट्स लिमिटेड ने कहा कि उसका एकीकृत शुद्ध मुनाफा वित्तवर्ष 2020 के 471.72 करोड़ रुपए की तुलना में बढ़कर 871.63 करोड़ रुपए हो गया, जो 85 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। कंपनी को वित्तवर्ष 2020-21 में परिचालन से होने वाली एकीकृत आय 7,014.42 करोड़ रुपए की हुई, जो वित्तवर्ष 2019-20 में 5,810.09 करोड़ रुपए की आय से बढ़ोतरी को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2021 में, ट्रैक्टर की बिक्री 24.1 प्रतिशत बढ़कर 1,06,741 इकाई हो गई। एस्कॉर्ट्स लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक निखिल नंदा ने कहा, ÷वित्तवर्ष 2021 की चौथी तिमाही में कृषि मशीनरी उद्योग का रुख काफी सकारात्मक था जिसका मुख्य कारण व्यापक आर्थिक कारकों तथा वर्ष की पहली और दूसरी तिमाही में मांग दबा रहना था। कंपनी ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने 75 प्रतिशत के कुल लाभांश की सिफारिश की है।

अप्रैल में 30.63 अरब डॉलर का निर्यात, व्यापार घाटा 15.1 अरब डॉलर

नई दिल्ली (एजेंसी):

सरकार द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक भारत का निर्यात अप्रैल में करीब तीन गुना बढ़कर 30.63 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल इसी महीने लॉकडाउन से प्रभावित कारोबार में 10.36 अरब डॉलर ही रह गया था। आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल 2020 में आयात भी बढ़कर 45.72 अरब अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले साल के समान महीने में 17.12 अरब डॉलर था। इस तरह भारत का व्यापार घाटा बढ़कर इस वर्ष अप्रैल में 15.10 अरब डॉलर हो गया, जो अप्रैल 2020 में 6.76 अरब डॉलर था। कोविड-19 महामारी के चलते लागू लॉकडाउन के चलते पिछले साल अप्रैल में निर्यात रिकॉर्ड 60.28 प्रतिशत घट गया था। इस साल मार्च में निर्यात 60.29 प्रतिशत बढ़कर 34.45 अरब डॉलर था। कम आधार प्रभाव के कारण अप्रैल 2021 के दौरान निर्यात में 195.72 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान कच्चे तेल का आयात 10.8 अरब डॉलर का रहा, जो पिछले साल के इसी महीने में 4.66 अरब डॉलर था। समीक्षाधीन अवधि में गैर-तेल आयात 12.46 अरब डॉलर से बढ़कर 34.85 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान सोने का आयात अप्रैल 2020 के 28.3 लाख डॉलर से बढ़कर 61.2 अरब डॉलर हो गया। अप्रैल में रत्न और आभूषण, जूट, कालीन, हस्तशिल्प, चमड़ा, इलेक्ट्रॉनिक सामान, काजू, इंजीनियरिंग, पेट्रोलियम उत्पाद, समुद्री उत्पाद और रसायन के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि हुई।

वाणिज्य सचिव अनूप वधावन ने संवाददाताओं से कहा कि भारत का निर्यात प्रदर्शन अप्रैल में प्रभावशाली रहा और निर्यात का बढ़ना आर्थिक सुधार को भी दर्शाता है। उन्होंने कहा, ÷विदेशी व्यापार में एक संतुलित तरीके से सुधार हो रहा है। हमें विश्वास है कि हम इस साल 400 अरब अमरीकी डॉलर के स्तर तक पहुंच सकते हैं।'' कुछ राज्यों द्वारा कोविड महामारी से संबंधित प्रतिबंधों के कारण लदान के प्रभावित होने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ÷मुझे नहीं लगता कि हमारे निर्यात पर कोई बड़ा प्रभाव दिख रहा है।'' निर्यातकों के शीर्ष संगठन फेडरेशन आफ एक्सपोर्ट्स आर्गनाइजेशन्स के अध्यक्ष शरद कुमार सर्राफ ने कहा कि इस समय निर्यात की जाने वाली वस्तुओं पर राज्य स्तरीय शुल्क एवं कारों की छूट (आरओडीटीईपी)की दरों को शीघ्र घोषित करने की जरूरत है। इससे अनिश्चितताएं दूर होंगी और नए निर्यात अनुबंध करने में सहजता होगी। अप्रैल में सेवा निर्यात 21.17 अरब डॉलर और सेवा आयात 13 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।

सोने के आयात में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी, निर्यात में भी तेजी: वाणिज्य सचिव

– इकोनॉमिक रिकवरी के लिए अच्छा संकेत

नई दिल्ली। वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ष अप्रैल में सोने के आयात में पिछले वर्ष अप्रैल के मुकाबले 2,20,357.24 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गई। विदेश व्यापार विशेषज्ञों के मुताबिक यह पहला मौका होगा जब सोने के आयात में दो लाख फीसद से अधिक का इजाफा हुआ है। हालांकि, यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से पिछले वर्ष देशव्यापी लॉकडाउन की वजह से काफी कम कारोबार होने की वजह से आई है। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ष अप्रैल में 6.23 अरब डॉलर मूल्य के सोने का आयात किया गया, जबकि पिछले वर्ष अप्रैल में सिर्फ 28 लाख डॉलर मूल्य के सोने का आयात हुआ था। जेम्स व ज्वैलरी की निर्यात मांग बढ़ने से भी सोने के आयात में बढ़ोतरी दर्ज की गई। वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ष अप्रैल के निर्यात में पिछले वर्ष अप्रैल के मुकाबले 195.72 फीसद का इजाफा रहा। इस वर्ष अप्रैल के निर्यात में वास्तविक तेजी है, क्योंकि वर्ष 2019 के अप्रैल के मुकाबले इसमें 17.62 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। वाणिज्य सचिव अनूप वधावन ने बताया कि निर्यात के सभी सेक्टर रिकवर कर रहे हैं और कुछ सेक्टर में खास तेजी है। इसे देखते हुए ही चालू वित्त वर्ष के लिए 400 अरब डॉलर यानी लगभग 29 लाख करोड़ रुपए का निर्यात लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि कई सारे क्षेत्र जो पिछले वर्ष में खराब प्रदर्शन कर रहे थे उनमें भी काफी तेजी से रिकवरी हुई है। इस वर्ष अप्रैल में जेम्स व ज्वैलरी के निर्यात में पिछले वर्ष अप्रैल के मुकाबले 160.24 फीसद का इजाफा रहा। निर्यात के साथ आयात में बढ़ोतरी से अर्थव्यवस्था की रिकवरी के संकेत मिल रहे हैं। इस वर्ष अप्रैल के आयात में पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 167.05 फीसद और वर्ष 2019 के अप्रैल के मुकाबले 7.87 फीसद की बढ़ोतरी रही। चालू वित्त वर्ष के पहले महीने में वस्तुओं के निर्यात के साथ सेवा क्षेत्र के निर्यात का प्रदर्शन भी बेहतर रहा। अप्रैल में सेवा क्षेत्र के निर्यात में पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 28.68 फीसद की बढ़ोतरी रही। सेवा क्षेत्र में मुख्य रूप से आईटी शामिल होता है इसलिए पिछले वर्ष अप्रैल में भी सेवा क्षेत्र के निर्यात का प्रदर्शन वस्तुओं के निर्यात की तरह धड़ाम नहीं हुआ था।

चीन के स्टील हब टेंगशैन में सख्ती का भारत में भी असर, सिंगापुर में भी आयरन ओर 11% टूटा

मुम्बई (एजेंसी):

चीन के कमोडिटी एक्सचेंजों में आयरन ओर के काल्पनिक कारोबार (स्पैकुलेटिव ट्रेडिंग) से बढ़ रहे दामों को काबू करने के लिए उठाए गए एक कदम का शुक्रवार को भारत के शेयर बाजार में मैटल स्टॉक्स पर सीधा असर पड़ा। गुरुवार को आए स्टील कंपनियों के अच्छे नतीजों के बावजूद बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का मैटल इंडैक्स 3.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5703.92 लुढ़क कर 18,777.06 अंकों पर बंद हुआ। हालांकि शुक्रवार को सैंसेक्स में इतनी गिरावट नहीं आई। 41.75 अंकों की तेजी के साथ 48,732.55 पर बंद हुआ और निफ्टी भी महज 18.70 अंकों की गिरावट के साथ 14,677.80 अंकों पर बंद हुआ लेकिन मैटल इंटेक्स के शेयर नौ फीसदी तक टूट गए। कारोबारी सत्र के दौरान मैटल इंडैक्स एक बार तो 18332 पर पहुंच गया था लेकिन बाद में इसमें 445 अंकों का सुधार देखने को मिला।

चीन की सख्ती, आयरन ओर 10 प्रतिशत गिरा

चीन में स्टील की भारी मांग के बीच आयरन ओर की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद चीन के कमोडिटी एक्सचेंज में इसकी कीमतों पर काबू करने के लिए आयरन के हब कहे जाते टॅगशैन शहर में स्टील उत्पादकों पर आयरन ओर की स्पैकलेटिव ट्रेडिंग पर रोक लगा दी गई। चीन के कुल स्टील उत्पादन में टेंगशैन की हिस्सेदारी 14 प्रतिशत है और यह चीन का बड़ा स्टील हब है। सरकार ने स्टील ट्रेडरों को स्पष्ट किया है कि यदि उन्होंने फर्जी तरीके से कीमतें बढ़ाने की कोई भी गतिविधि की तो उनका लाइसैंस रह कर दिया जाएगा। स्टील ट्रेडरों पर रोक लगाए जाने के सख्त फैसले के बाद कमोडिटी एक्सचेंज डेलियन पर आयरन ओर का फीचर 10 फीसदी लुढ़क गया जबकि सिंगापुर में भी इसका असर हुआ वहां आयरन ओर के फीचर में 11 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। चीन की स्टेट काउंसिल के प्रीमियर ली की क्रैग ने पिछले सप्ताह ही चीन की सरकार को स्टील की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने की मांग की थी।

स्टील कीमतों को लेकर कदम उठाएंगे

स्टील काऊंसिल इस बीच चीन की स्टील कार्उंसिल ने कहा है कि होल की कीमतों को लेकर नीति बनाने वाले नीति निर्धारकों और स्टील उत्पादकों के साथ तालमेल के साथ काम करेगी और आने वाले दिनों में इस दिशा में कदम उठाए जाएंगे। हालांकि काउंसिल ने उठाए जाने वाले कदमों के बारे में विस्तार के साथ जानकारी। नहीं दी है। दरअसल चीन में मार्च महीने की तिमाही में स्टील उत्पादकों द्वारा निर्माण में कटौती किए जाने के बाद स्टील की किल्लत पैदा हुई है और इस से दाम बढ़ रहे हैं क्योंकि चीन में स्टील की मांग बढ़ती जा रही है। भारत में कोरोना की दूसरी लहर के प्रभाव के कारण भी चीन में स्टल उत्पादन ठंडा पड़ा है। क्योंकि स्टील निर्माताओं को भारत से मांग में कमी और निर्यात में गिरावट का अंदेशा है।

एक जुलाई से छोटी बचत योजनाओं के ब्याज दर में हो सकता है बदलाव

(एजेंसी):

कोरोना महामारी के दौर में कई लोग सरकारी योजनाओं में निवेश कर रहे हैं, जिनसे उनको फायदा हो रहा है। पोस्ट ऑफिस में निवेशकों के लिए तमाम तरह की जमा योजनाएं उपलब्ध हैं। इन्हें छोटी बचत योजना भी कहते हैं। कहा जा रहा है कि छोटी बचत योजनाओं जैसे सुकन्या समृद्धि योजना, राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी), सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ), मासिक आय योजना और वरिष्ठ नागरिक बचत योजना पर मिलने पर ब्याज में कटौती की जा सकती है। नई दरें 1 जुलाई से लागू होने की बात सामने आई है। नई दरें एक जुलाई से लागू होंगी।

हालांकि सरकार या आरबीआई की ओर से आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। इससे पहले अक्टूबर 2020 में **PPF, Sukanya Samridhi, NSC** जैसी छोटी बचत योजनाओं पर बड़ी राहत देते हुए सरकार ने कहा था कि ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं किया जा रहा है। उस फैसले से अक्टूबर से दिसंबर की तिमाही के लिए मिलने वाले ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं हुआ था।

इस बारे में रिजर्व बैंक का कहना है कि छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज की उच्च दरों के कारण, केंद्रीय बैंक व्यापक अर्थव्यवस्था में कम उधारी लागत के लिए संघर्ष कर रहा है। यही कारण है कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय के साथ मिलकर बैलेंड शीट में बदलाव की कवायद जारी है।

जानिए क्या हैं मौजूदा ब्याज दरें

- सेविंग डिपॉजिट- 4%
- टर्म डिपॉजिट (1 साल)- 5%
- वरिष्ठ नागरिक बचत योजना- 7.4%
- मासिक इनकम खाता- 6.6%
- नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट- 6.8%
- पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)- 7.1%
- किसान विकास पत्र- 6.9%
- सुकन्या समृद्धि योजना- 7.6%

कोविड संकट: ओडिशा में स्वास्थ्य ढांचे के निर्माण में मदद कर रही है नाल्को

नई दिल्ली (एजेंसी):

सरकार के स्वामित्व वाली नेशनल ऐल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) ने कहा है कि वह ओडिशा के कोरापुट में शहीद लक्ष्मण नाइक मेडिकल कॉलेज में 70 बिस्तरों वाले एक कोविड केंद्र के लिए मदद कर रही है। सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम ने एक बयान में यह भी कहा कि वह ओडिशा के अंगुल में स्थित ईएसआई अस्पताल में 66 बिस्तरों वाले कोविड स्वास्थ्य सेवा केंद्र के पूरे परिचालन और प्रबंधन का खर्च वहन कर मदद कर रही है।

कंपनी ने कहा कि वह कोविड-19 के बढ़ते मामलों और लोगों की पीड़ा को देखकर काफी चिंतित है। बयान में कहा गया, ÷कोविड महामारी की दूसरी लहर को देखते हुए नाल्को कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में ओडिशा के लोगों के साथ एकजुटता से खड़े होने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

कंपनी ने इसके अलावा ऑक्सीजन इकाइयों में बिजली की निर्बाध आपूर्ति के लिए ओडिशा सरकार को डीजल जेनरेटर सेट उपलब्ध कराकर ऑक्सीजन की आपूर्ति को मजबूत करने की भी हामी भरी है।

नाल्को के सीएमडी श्रीधर पात्र ने कहा, एक जिम्मेदार कॉरपोरेट नागरिक होने के नाते नाल्को मुश्किल समय में हमेशा ओडिशा के लोगों के साथ खड़ी रही है और हम अब महामारी से पैदा हुई विपदा को हरसंभव तरीके से कम करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहरा रहे हैं।

चक्रवात तौकते के कारण Indigo और विस्तारा की कई उड़ानें प्रभावित

(एजेंसी):

अरब सागर के ऊपर बने चक्रवात तौकते (**Cyclone Tauktae**) के कारण कई घरेलू उड़ानें प्रभावित हुई हैं। विस्तारा एयरलाइन के मुताबिक अरब सागर में खराब मौसम के कारण चेन्नई, तिरुवनंतपुरम, कोच्चि, बेंगलूरु, मुंबई, पुणे, गोवा और अहमदाबाद को आने-जाने वाली उड़ाने 17 मई तक प्रभावित हो सकती हैं।

फ्लाइट कैंसिल पर मिलेगा रिफंड

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन **IndiGO** ने ट्वीट करके कहा कि साइक्लोन **Tauktae** के कारण कन्नौर के लिए और वहां से उड़ान भरने वाली फ्लाइट प्रभावित हुई है। प्रभावित यात्री के लिए एयरलाइन प्लान बी लेकर आया है। प्लान **B** के तहत प्रभावित यात्री या तो रिफंड ले सकते हैं या फिर नई तारीख को यात्रा कर सकते हैं। उसी तरह विस्तारा एयरलाइन ने भी ट्रैवल एडवायजरी जारी की है। केरल के पांच जिलों मल्लापुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड में रेड अलर्ट घोषित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस तूफान से निपटने की तैयारियों के बारे में एक बैठक करेंगे। मौसम विभाग के मुताबिक इस बात की पूरी संभावना है कि 'तौकते' नाम का यह तूफान अगले कुछ घंटों में 'बेहद भीषण चक्रवाती तूफान' में बदल सकता है। 150-160 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है जो 175 **kmph** तक जा सकती हैं। पश्चिम तट से लगे कई हिस्सों में यह तूफान खासी परेशानी का सबब बन सकता है। रविवार तक यह बेहद ताकतवर चक्रवाती तूफान के रूप में बदल सकता है। इसके गुजरात, महाराष्ट्र, केरल जैसे तटीय इलाकों से टकराने की संभावना है।

अक्षय तृतीया पर फीका रहा कारोबार, बिक्री में भारी गिरावट

(एजेंसी):

कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप के चलते रत्न और आभूषण उद्योग को लगातार दूसरे साल अक्षय तृतीया के अवसर पर बिक्री में भारी गिरावट का सामना करना पड़ा। कारोबारियों ने बताया कि इस साल अक्षय तृतीया पर बिक्री कोविड से पहले 2019 के मुकाबले सिर्फ 10 प्रतिशत रही और स्थानीय लॉकडाउन के चलते ग्राहकों की सीमित आवक थी। आम साल में उद्योग अक्षय तृतीया के दिन 25-30 टन का कारोबार करता था लेकिन इस साल इसके मुश्किल से 3-4 टन तक पहुंचने का अनुमान है, क्योंकि ऑफलाइन बिक्री बुरी तरह से प्रभावित हुई है। कल्याण ज्वैलर्स जैसे कुछ संगठित कारोबारियों ने सोने की ऑनलाइन बुकिंग की, जिसे बाद में ग्राहकों तक पहुंचाया जाएगा। अखिल भारतीय रत्न और आभूषण घरेलू परिषद (जीजेसी) के अध्यक्ष आशीष पेठे ने कहा, 'देश भर में पिछले साल की तुलना में महामारी की दूसरी लहर में भारी नुकसान हो रहा है। इससे कुल मिलाकर ग्राहकों में नकारात्मक भावनाएं पैदा हुईं।' उन्होंने कहा कि लगभग 90 प्रतिशत राज्यों में लॉकडाउन लगाए गए हैं, जहां खुदरा आभूषण स्टोर बंद हैं और किसी भी तरह की बिक्री की इजाजात नहीं है। पेठे ने कहा कि इस साल अक्षय तृतीया पर कारोबार पिछले साल 3-4 टन कारोबार की उम्मीद है, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 2-2.5 टन और 2019 में 25-30 टन था। उन्होंने कहा कि कुछ ग्राहक ऑनलाइन या फोन के जरिए सोना खरीद रहे हैं और हालात ठीक होने पर उन्हें आपूर्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि आभूषण विक्रेताओं को अक्षय तृतीया पर 10-15 प्रतिशत बिक्री की उम्मीद है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बॉल टेंपरिंग विवाद को लेकर बेनक्रॉफ्ट ने दिया बड़ा बयान

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका के साल 2018 के दौरे पर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी कैमरून बेनक्रॉफ्ट बॉल टेंपरिंग विवाद में आए थे। केपटाउन के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ, सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर भी इसमें शामिल थे। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड ने सख्त फैसला लेकर तीनों खिलाड़ियों पर बैन लगा दिया था। जहां वार्नर और स्मिथ को एक-एक साल के लिए, वहीं बेनक्रॉफ्ट पर 6 महीने के लिए। इस विवाद के बाद ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी टिम पेन को दे दी गई। बेनक्रॉफ्ट ने हाल ही में एक बयान में कहा कि मैंने जो गेंद से छेड़छाड़ की थी उसके लिए मैं जिम्मेदार हूं और इसका जवाबदेही भी मैं ही हूं। मैंने जो किया वह गेंदबाजों के फायदे के लिए किया लेकिन टीम के गेंदबाज भी यह जानते थे। उसके बारे में अब मुझे जागरूकता और आत्म मंथन हुआ है। इससे मैंने एक चीज सीखी है कि आपको जिम्मेदार होना पड़ता है। अब मैं पहले से अधिक अच्छे फैसले ले सकता हूं। बेनक्रॉफ्ट ने कहा कि मैंने टीम में वापसी के लिए लक्ष्य और दरवाजों को बंद नहीं किया है। लेकिन साथ ही मैं मानसिक तौर पर तनाव भी महसूस नहीं कर रहा हूं।मुझे यकीन है कि मुझे एक मौका जरूर मिलेगा।

ओलंपिक के आयोजन से दमदार संदेश जाएगा कि हम कोविड से आगे निकल चुके हैं : नरिंदर बत्रा

नई दिल्ली ।

भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने शनिवार को कहा कि कोरोना महामारी के बीच ओलंपिक के आयोजन का विरोध होगा लेकिन तोक्यो में खेलों के आयोजन से मजबूत संदेश जायेगा कि हम इस भयावह हालात से आगे निकल चुके हैं। तोक्यो ओलंपिक पिछले साल कोरोना महामारी के कारण एक साल के लिये स्थगित कर दिये गए थे। आईओए अध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्य बत्रा ने उम्मीद जताई कि खेल 23 जुलाई से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि जिंदगी आगे बढ चुकी है और ओलंपिक के आयोजन से सख्त संदेश जायेगा कि हम कोरोना महामारी से आगे निकल चुके हैं। खेलों का विरोध तो होगा ही लेकिन अब जापान की आयोजन समिति और आईओसी को फैसला लेना है। जहां तक भारतीय खिलाड़ियों का सवाल है तो हम सारे जरूरी एहतियात बरत रहे हैं और अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। इससे एक दिन पहले ही जापान में ओलंपिक के आयोजन के विरोधियों ने याचिका डालकर खेलों को रद्द करने की मांग की। जापान में कोरोना महामारी की चौथी लहर चल रही है। जापान ने तीन और इलाकों में आपातकाल लागू कर दिया है। बत्रा ने यह भी आश्वासन दिया कि भारत से यात्रा पर लगे प्रतिबंध का ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों के भाग लेने पर असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह अस्थायी प्रतिबंध है जो कई देशों ने लागू किया है लेकिन ओलंपिक का प्रोटोकॉल अलग होता है जो सदस्य देशों को मानना ही होता है। उन्होंने कहा कि मैं आश्वासन देता हूं कि ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर चुके भारतीय खिलाड़ियों को कोई परेशानी नहीं आयेगी। आयोजन समिति और आईओसी ने इसकी गारंटी दी है। उनके लिये कोई प्रतिबंध नहीं होगा। भारत सारे प्रोटोकॉल का पालन कर रहा है जिसमें ओलंपिक जाने वाले खिलाड़ियों का समय पर टीकाकरण शामिल है। हम टीकाकरण को लेकर आईओसी और आयोजन समिति के सारे प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं। अपने खिलाड़ियों की सुरक्षित यात्रा को लेकर सरकार से बात कर रहे हैं। हम एक तरफ की चार्टर्ड उड़ान की व्यवस्था की संभावना तलाश रहे हैं ताकि कोई किसी दूसरे के संपर्क में नहीं आए

इटालियन ओपन : राफेल नडाल ने अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराया

रोम ।

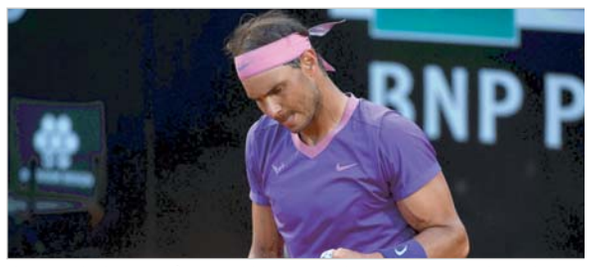

रफेल नडाल ने अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ हार का सिलसिला तोड़ते हुए उसे इटालियन ओपन टेनिस क्वार्टर फाइनल में 6-3, 6-4 से हरा दिया। ज्वेरेव ने एक सप्ताह पहले ही नडाल को मैड्रिड ओपन में सीधे सेटों में हराया था। नडाल ने जीत के बाद कहा- मैं मैड्रिड ओपन की तुलना में बेहतर खेला। हालात भी अलग थे। अब उनका सामना अमेरिका के रीली ओपेलका से होगा जिसने अर्जेंटीना के क्वालीफायर फेडरिको डेलबोनिस को 7-5, 7-6 से हराकर पहली बार मास्टर्स सेमीफाइनल में जगह बनाई। नोवाक जोकोविच और स्टेफानोस सिटसिपास के बीच क्वार्टर फाइनल बारिश के कारण स्थगित करना पड़ा उस समय सिटसिपास 6-4, 2-1 से आगे थे। एक अन्य क्वार्टर फाइनल आंद्रेइ रूबलेव और लोरेंजो सोनेगो के बीच होगा। महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त एशले बार्टी को कोको गॉ के खिलाफ मैच में 6-4, 2-1 से आगे रहने के बावजूद दाहिने हाथ में चोट के कारण कोर्ट छोड़ना पड़ा। गॉ का सामना सेमीफाइनल में फ्रेंच ओपन चैम्पियन इगा स्वियातेक या दो बार की रोम चैम्पियन एलिना स्वितोलिना से होगा। 2019 की चैम्पियन कैरोलिना प्लिसकोवा ने 2017 फ्रेंच ओपन चैम्पियन येलेना ओस्टापेंको को 4-6, 7-5, 7-6 से हराया। अब उनका सामना पेट्रा मार्टिच से होगा।

भारतीय महिला टीम का हुआ ऐलान, शेफाली वर्मा पहली बार वनडे टीम में शामिल

नई दिल्ली । युवा भारतीय महिला बल्लेबाज शेफाली वर्मा को पहली बार भारतीय महिला वनडे टीम में जगह मिली है। आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए उन्हें सभी प्रारूपों (टेस्ट, वनडे, टी-20) में टीम में शामिल किया गया है। वहीं अनुभवी ऑलराउंडर शिखा पांडे और विकेटकीपर बल्लेबाज तानिया भाटिया की भी टीम में वापसी हुई है। दोनों हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू वनडे और टी-20 सीरीज से टीम से बाहर थी। राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने इंग्लैंड दौरे के लिए दो टीमों की घोषणा की है। इकलौते टेस्ट और तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए मिताली राज के नेतृत्व में 18 सदस्यीय टीम बनाई गई है और टी-20 के लिए अलग 17 सदस्यीय टीम घोषित की गई है, जिसकी कमान हरमनप्रीत कौर को दी गई है। शेफाली के अलावा अनकैप्ड विकेटकीपर इंद्राणी रॉय ने भी दोनों टीमों में जगह बनाई है, जबकि कोरोना से न उबर पाने के कारण लेग स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ को ड्राप आउट (छोड़) किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारतीय महिला टीम 16 जून को ब्रिस्टल में टेस्ट मैच के साथ अपना अभियान शुरू करेगी। इसके बाद वह तीन वनडे और तीन टी-20 खेलेगी। इस दौरे पर रमेश पोवार दो साल बाद भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में वापसी करेंगे।

विश्व कप क्वालीफायर्स के लिए 19 मई को कतर रवाना होगी भारतीय फुटबॉल टीम

नई दिल्ली ।

भारतीय फुटबॉल टीम 19 मई को कतर के लिए रवाना होगी क्योंकि इस देश ने भारतीय टीम को राहत देते हुए अगले महीने होने वाले 2022 विश्व कप क्वालीफायर से पहले खिलाड़ियों की वहां ट्रेनिंग का अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। इतना ही नहीं कतर ने भारतीय दल के वहां पहुंचने के लिए 10 दिन के अनिवार्य पृथकवास से छूट देने का एआईएफएफ का आग्रह भी मान लिया है। भारतीय टीम तीन जून को पहले मुकाबले पूर्व जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में लगभग दो हफ्ते के तैयारी शिविर में हिस्सा लेगी। एआईएफएफ के महासचिव कुशाल दास ने कहा- हम 19 मई की शाम को टीम को भेजने की योजना बना रहे हैं। पृथकवास से नहीं गुजरना होगा और वे जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में रहेंगे। दास ने कहा कि खिलाड़ी नयी दिल्ली में जुटेंगे और कतर के लिए रवाना होने से पहले उनका कोविड-19 परीक्षण होगा। भारत पहले ही 2022 फीफा विश्व कप में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो चुका है लेकिन इन संयुक्त क्वालीफायर में अब भी 2023 एशियाई कप में जगह बनाने की दौड़ में है। एशियाई कप क्वालीफिकेशन में भारत को अभी कतर (तीन जून), बांग्लादेश (सात जून) और अफगानिस्तान (15 जून) के खिलाफ तीन मुकाबले खेलने हैं।एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने कोरोना वायरस महामारी के कारण यात्रा और पृथकवास पाबंदियों को देखते हुए मार्च में कतर को ग्रुप ई के बाकी बचे मैचों के आयोजक के रूप में चुना था। दास ने बुधवार को कहा था कि राष्ट्रीय टीम देश में कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामलों के कारण यहां ट्रेनिंग नहीं कर सकती और वे विश्व कप क्वालीफाइंग मुकाबलों से पहले विदेश में शिविर के विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। भारतीय टीम अभी पांच मैचों में तीन अंक के साथ ग्रुप तालिका में चौथे स्थान पर चल रही है।भारतीय टीम बाकी बचे मैचों से अधिकतम अंक जुटाना चाहेगी जिससे कि शीर्ष तीन में जगह बनाकर 2023 एशियाई कप क्वालीफाइंग तीसरे दौर के लिए स्वतः क्वालीफाई कर सके। मार्च में भारत ने दुबई में ओमान और यूएई के खिलाफ मैत्री मैच के रूप में नवंबर 2019 के बाद अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। भारत ने ओमान को 25 मार्च को 1-1 से बराबरी पर रोका था लेकिन यूएई के खिलाफ 29 मार्च को उसे 0-6 से करारी हार का सामना करना पड़ा।

संक्षिप्त समाचार

इंग्लैंड के हैरी गर्नी गेंदबाज ने क्रिकेट से लिया अचानक संन्यास, ले चुका है 600 से अधिक विकेट

स्पोर्ट्स डेस्क । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज हैरी गर्नी ने क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। गर्नी पिछले कई समय से चोट के कारण परेशान थे और टीम से अंदर बाहर होते रहते थे। हैरी गर्नी आईपीएल में कोलकाता नाईट राईडर्स की तरफ से भी खेल चुके हैं। लेकिन कंधे की चोट की वजह से वह अपना करियर आगे नहीं बढ़ाना चाहते हैं और उन्होंने संन्यास लेने का ऐलान कर दिया। उन्होंने अपने संन्यास का ऐलान सोशल मीडिया पर किया। हैरी गर्नी ने संन्यास लेने के बाद कहा कि मुझे क्रिकेट खेलते हुए 24 साल हो गए हैं और मैंने क्रिकेट को काफी समय दिया है। मैंने 10 साल की उम्र में गेंद पकड़ी थी। लेकिन कंधे की चोट के कारण मेरा संन्यास लेना निराशाजनक है। गर्नी का क्रिकेट करियर शानदार रहा है और उन्होंने कई बेमिसाल बॉलिंग स्पैल भी डाले हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने क्रिकेट के इन लम्हों को सजोकर रखेंगे। गर्नी आईपीएल में ही नहीं बल्कि दुनिया की कई टी20 लीग में खेल चुके हैं। गर्नी बिग बैश, ब्लास्ट, कैरेबियन प्रीमियर लीग में खेल चुके हैं। गर्नी का करियर और भी अच्छा रहता अगर वह चोट के कारण परेशान ना रहते। गर्नी मेलबर्न रेनेगेड्स, बारबाडोस ट्राईडेंट्स, कोलकाता नाईट राईडर्स और नॉटिंघमशायर जैसी टीमों के लिए खेल चुके हैं। हैरी गर्नी का इंटरनेशनल करियर साल 2014 में शुरु हुआ था। गर्नी ने इंग्लैंड के लिए 10 वनडे और 2 टी20 मैच खेलें हैं। लेकिन चोट के कारण वह टीम में अपनी जगह बना पाने में कामयाब नहीं हो पाए। गर्नी इसके बाद एक टी20 गेंदबाज बन गए। उन्होंने दुनिया भर की टी20 लीग में विकेट चटकाकर अपने नाम 614 विकेट हासिल की।

न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के बाद ब्रेक लेंगे इंग्लैंड के कोच सिल्वरवुड, बताया यह कारण

लंदन। इंग्लैंड के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट की श्रृंखला के बाद ब्रेक लेंगे और श्रीलंका तथा पाकिस्तान के खिलाफ क्रिकेट श्रृंखला में उनके सहायक जिम्मा संभालेंगे। श्रीलंका और भारत दौरे पर इंग्लैंड टीम के साथ रहे सिल्वरवुड ने कहा कि वह अगस्त में भारत के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला से पहले तरोताजा रहना चाहते हैं और इसीलिये ब्रेक ले रहे हैं। उनकी गैर मौजूदगी में पॉल कोलिंगवुड और ग्राहम थोर्प जून जुलाई में श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के लिये कोच का कार्यभार संभालेंगे। सिल्वरवुड ने कहा कि अगर मै शत प्रतिशत क्षमता के साथ काम नहीं कर सकता तो यह खिलाड़ियों और मेरे खुद के लिए ठीक नहीं होगा। थोर्प और कोली एक एक श्रृंखला संभाल लेंगे। मैं तरोताजा होकर अगली श्रृंखला में वापसी करूंगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू श्रृंखला के बाद इंग्लैंड टीम श्रीलंका के खिलाफ 23 जून से तीन टी20 और तीन वनडे खेलेगी। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ 16 जुलाई से तीन वनडे और तीन टी20 खेलने हैं।

तोक्यो ओलंपिक में इतिहास रच सकती है भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली।

भारत की पूर्व गोलकीपर हेलन मेरी का मानना है कि भारतीय महिला हॉकी टीम अपने खेल के कुछ पहलुओं पर काम करके तोक्यो ओलंपिक में शीर्ष तीन में स्थान हासिल कर सकती है। पिछले तीन से चार साल में भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। हेलन ने 'हॉकी ते चर्चा' में कहा कि अर्जेंटीना और जर्मनी में प्रदर्शन को देखते हुए मुझे लगता है कि हमारी टीम 90 प्रतिशत तैयार है और आने वाले कुछ समय में अपने खेल को और बेहतर कर सकते है। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि वे तोक्यो में इतिहास रच सकते हैं। तोक्यो में तिरंगे का परचम लहराएगा। अर्जेंटीना में जिस तरह से भारतीय टीम खेली, हालांकि दुनिया की दूसरे नंबर की टीम को नहीं हरा सकी लेकिन आत्मविश्वास देखने लायक था । मैंने भारतीय टीम को किसी टीम के खिलाफ उसके घरेलू मैदान पर ऐसे खेलते नहीं देखा। भारत के लिए 1992 से एक दशक से अधिक के अपने अंतरराष्ट्रीय कैरियर में 2002 राष्ट्रमंडल खेल और 2004 एशिया कप में स्वर्ण जीतने वाली टीम का हिस्सा रही हेलन ने कहा कि अब काफी व्यवस्थित और वैज्ञानिक तरीके से तैयारी होती है। उन्होंने कहा कि हमारे समय में और आज के समय में काफी फर्क है। अब वैज्ञानिक तरीके से सब कुछ होता है और टीम के पास बड़ा सहयोगी स्टाफ है । फिटनेस, खुराक और कार्यभार सभी पहलुओं का ध्यान रखा जाता है। हर रणनीति पहले से तय होती है।

बिना गेंदबाजी हार्दिक पंड्या किसी भी प्रारूप में टीम इंडिया में बने रहने के हकदार नहीं : सरनदीप सिंह

नई दिल्ली।

भारत के पूर्व चयनकर्ता सरनदीप सिंह ने टेस्ट टीम से हार्दिक पंड्या को नजरअंदाज करने पर मौजूदा समिति के फैसने का समर्थन करते हुए कहा है कि यह हरफनमौला खिलाड़ी अगर गेंदबाजी में योगदान नहीं देता है, तो वह छोटे प्रारूपों की टीम में भी जगह पाने का हकदार नहीं है। हार्दिक की 2019 में पीठ की सर्जरी हुई थी। इसके बाद से वह नियमित रूप से गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम को उनके ऑलराउंड कौशल का फायदा नहीं मिल रहा है। इसी वजह से उन्हें इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है। सरनदीप का कार्यकाल इस साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के साथ समाप्त हो गया है। उन्होंने इंग्लैंड दौरे के लिए प्रतिभाशाली पृथ्वी शॉ को टीम में जगह नहीं मिलने पर हैरानी जताई। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर सरनदीप ने कहा हार्दिक को टेस्ट के लिए नजरअंदाज करने का चयनकर्ताओं का फैसला समझ में आता है। वह सर्जरी के बाद नियमित रूप से गेंदबाजी नहीं कर पाए हैं। मुझे लगता है कि उन्हें छोटे फॉर्मेट में भी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बनने के लिए वनडे में 10 और टी20 में चार ओवर करने होंगे। वह सिर्फ बल्लेबाज के रूप में नहीं खेल सकते। सरनदीप सिंह ने कहा कि अगर हार्दिक पंड्या गेंदबाजी नहीं करते हैं तो इससे टीम इंडिया को नुकसान होगा। उन्होंने कहा, अगर हार्दिक गेंदबाजी नहीं करते हैं, तो यह टीम के संतुलन पर काफी असर डालेगा। आपको उसकी वजह से एक अतिरिक्त गेंदबाज को टीम में रखना होगा जिससे सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ी को बाहर करना होगा। हम इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में इसका असर देख चुके है। उन्होंने कहा कि हम गेंदबाजी में सिर्फ पांच विकल्पों के साथ नहीं उतर सकते। अब टीम के पास वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा के रूप में कई अन्य हरफनमौला खिलाड़ी मौजूद हैं, शारदुल ठाकुर भी एक निर्भरतायोग्य हरफनमौला बन सकते हैं।

ब्रिटेन की ओलिम्पिक विजेता बैडमिंटन प्लेयर बोलीं- रद्द हो टोक्यो ओलिम्पिक

नई दिल्ली । 2004 ओलिम्पिक में ब्रिटेन के लिए के बैडमिंटन में रजत पदक हासिल करने वाली 43 वर्षीय गेल एम्स का कहना है कि टोक्यो ओलिम्पिक को दो महीने पहले रद्द कर दिया जाना चाहिए था। कोरोना वैश्विक महामारी है। बावजूद इसके एथलीट्स को खेलों के लिए जापान की यात्रा करने को मजबूर किया जा रहा है। जापान में कोरोना का अगला पड़ाव आ चुका है। 60 फीसदी से ज्यादा जापानी चाहते हैं कि यह गेम न हों बावजूद इसके जापान सरकार इसे लेकर अड़ी हुई है। इस महामारी के दौरान भी गेम को करवाने का आखिर मकसद क्या है। ओलिम्पिक गांव में करीब 11 हजार प्लेयर होंगे? क्या वह अपनी सुरक्षा कर पाएंगे? तब क्या होगा जब टीम के किसी मैंबर को कुछ हो गया तो क्या पूरी टीम बाहर हो जाएगी। एक एथलीट होने के कारण मुझे यह स्थिति देखकर दुख होता है।

आईपीएल से पहले कई खिलाड़ियों ने कर दिया था वैक्सीन लगवाने से इनकार

नई दिल्ली।

कोरोना से कई खिलाड़ियों के संक्रमित होने के बाद आईपीएल 2021 को स्थगित किए दो सप्ताह हो चुके है, लेकिन इसका प्रभाव अब भी खिलाड़ियों पर देखा जा सकता है। सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा दोबारा कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं, जबकि केकेआर के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा फिलहाल घर पर ही क्वारंटीन है। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइक हसी और गेंदबाजी कोच एल बैराज एक दिन पहले निगेटिव पाए गए हैं। हसी अब रविवार को ऑस्ट्रेलिया के लिए उड़ान भर सकते हैं। इस बीच कहा जा रहा है कि आईपीएल के दौरान खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के बीच कोरोना से बचाव को लेकर जागरूकता की बेहद कमी थी। आईपीएल से पहले कई खिलाड़ियों ने कोरोना वैक्सीन लगवाने से इनकार कर दिया था। आईपीएल फ्रेंचाइजी ने खिलाड़ियों को अनौपचारिक रूप से टीके लगवाने की पेशकश की थी। कुछ फ्रेंचाइजी अपने खिलाड़ियों को टीकाकरण के लिए मनाने में सफल रहीं, हालांकि उनकी संख्या बेहद कम थी। इस तथ्य से सावधान रहते हुए कि टीकाकरण के बाद उन्हें हल्का बुखार हो सकता है, कई खिलाड़ियों ने वैक्सीन लगाने के प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया। खिलाड़ियों ने महसूस किया कि वे जिस बायो बबल में थे, वह इतना सुरक्षित था कि उन्हें टीका लगाने की आवश्यकता नहीं थी। फ्रेंचाइजी ने इसका प्रचार भी नहीं किया। फिर चीजें अचानक नियंत्रण से बाहर हो गईं। विदेशी टीके के प्रति ज्यादा सजग थे, लेकिन उन्हें टीका नहीं लगाया जा सकता था, क्योंकि यह कानूनी नहीं था। सूत्रों ने कहा, कई विदेशी, विशेष रूप से सहायक कर्मचारी, टीकाकरण को लेकर उत्साहित थे, लेकिन उन्हें टीका नहीं लगाया जा सका। टीकाकरण के प्रति अनिच्छा की वजह से खिलाड़ी बेहद खतरनाक स्थिति में पहुंच गए। ऋद्धिमान साहा और प्रसिद्ध कृष्णा अब तक कोरोना नेगेटिव नहीं हुए हैं और यह भारत के लिए चिंता का विषय है। दोनों खिलाड़ियों को 25 मई को मुंबई में रिपोर्ट करना है। फिर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए इंग्लैंड जाने से पहले तीन नकारात्मक परीक्षणों से गुजरना होगा। हालांकि, माइक हसी की नेगेटिव रिपोर्ट राहत देने वाली है। सीएसके प्रबंधन मालदीव में बिना क्वारंटाइन अवधि के हसी की वापसी की तैयारी कर रहा है।

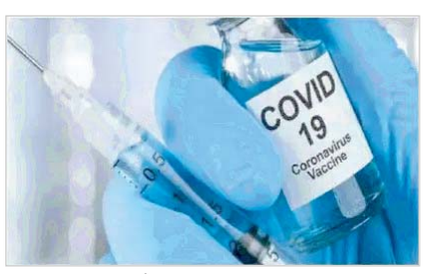

आस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन का आरोप, भारतीय टीम ध्यान बंटाने में माहिर

मेलबर्न । आस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन ने कहा कि वह अपने बयान पर कायम हैं कि भारत के 'साइडशो के कारण उनकी टीम का ध्यान बंटा, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि वह जनवरी में भारत के हाथों मिली हार का हाना नहीं बना रहे थे। भारतीय टीम के 'साइडशो' वाले बयान पर पेन की काफी आलोचना हुई है। उन्होंने 'गिली एंड गोस पॉडकास्ट में कहा था कि मुझसे कई बातें पूछी गई थी, जिनमें भारत के खिलाफ खेलने की चुनौती संबंधी सवाल शामिल थे। उस पर मैंने कहा कि भारतीय टीम ध्यान बंटाने में माहिर है। उन्होंने कहा,उस समय लगातार बात हो रही थी कि वे ब्रिसबेन में नहीं खेलने वाले हैं, वे बार-बार दस्तानें बदल रहे थे और फिजियो को बुला रहे थे। मैंने बस इतना कहा कि उससे ध्यान बंट गया और कई बार गेंद पर से ध्यान हट गया। पेन ने कहा कि उन्होंने हमें उन्नीस साबित किया और वे जीत के हकदार थे, लेकिन उस बात को काट दिया गया। उनका कहना है कि मैं बहाना बना रहा हूं लेकिन ऐसा नही है। उन्होंने कहा, जब भी कोई आस्ट्रेलियाई कप्तान बोलता है,तब सभी की नजरें उस पर रहती है। इसमें कोई शक नहीं। यह काफी लंबा इंटरव्यू था। मैं कोई बहाना नहीं बना रहा था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गाजा में भारी गोलाबारी, जमीनी ऐक्शन की तैयारी में इजरायल, बॉर्डर पर भेजे हजारों सैनिक

यरुशलम (एजेंसी):

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संघर्ष विराम के प्रयासों के बावजूद इजराइल और हमास के बीच युद्ध की आशंका बढ़ती जा रही है। इजराइल ने कहा कि वह गाजा सीमा पर बड़ी संख्या में सैनिकों को भेज रहा है और उसने हमास शासित क्षेत्र में संभावित जमीनी आक्रमण के लिए 9,000 सैनिकों को तैयार रहने को कहा है। यह दिखाता है कि दोनों शत्रु युद्ध की ओर बढ़ रहे हैं। सेना के मुख्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल हिदाई जिल्बरमैन ने कहा कि संभावित जमीनी आक्रमण के लिए गाजा सीमा पर सैनिक एकत्रित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि टैंक, बख्तरबंद वाहनों और तोपों को तैयार किया जा रहा है। गौरतलब है कि मिस्र के मध्यस्थ संघर्ष विराम प्रयासों के लिए इजराइल पहुंचे लेकिन इसमें प्रगति के कोई संकेत नहीं दिखे हैं। इजराइल में चौथी रात भी साम्प्रदायिक हिंसा होने के बाद लड़ाई और तेज हो गई। यहूदी और अरब समूहों में लॉड शहर में झड़पें हुई। पुलिस की मौजूदगी बढ़ाने के आदेश देने के बावजूद झड़पें हुईं। इस लड़ाई ने इजराइल में दशकों बाद भयावह यहूदी-अरब हिंसा को जन्म दिया है। लेबनान से देर रात रॉकेट दागे गए जिससे इजराइल की उत्तरी सीमा पर एक तीसरे पक्ष के शामिल होने का खतरा पैदा हो गया है। हमास के एक वरिष्ठ निर्वासित नेता सालेह अरुरी ने लंदन स्थित एक चैनल को शुक्रवार को बताया कि उनके समूह ने पूर्ण संघर्ष विराम के लिए और बातचीत करने देने के लिए तीन घंटे के विराम के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। उन्होंने कहा कि मिस्र, कतर और संयुक्त राष्ट्र संघर्ष विराम प्रयासों की अगुवाई कर रहे हैं।

मैंने कहा था कि हमास से बहुत भारी कीमत वसूल करेंगे-नेतन्याहू

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बयान में कहा, ''मैंने कहा था कि हमास से बहुत भारी कीमत वसूल करेंगे। हम यही कर रहे हैं और भारी बल के साथ यही करते रहेंगे।'' यह लड़ाई सोमवार को शुरू हुई जब यरुशलम को बचाने का दावा करने वाले हमास ने लंबी दूरी के रॉकेट दागने शुरू किए। इजराइल ने जवाबी कार्रवाई करते हुए कई हवाई हमले किए। तब से इजराइल ने गाजा में सैकड़ों ठिकानों को निशाना बनाया है। गाजा उग्रवादियों ने इजराइल में करीब 2,000 रॉकेट दागे जिससे देश के दक्षिण क्षेत्र में जनजीवन ठप हो गया। तेल अवीव शहर को निशाना बनाते हुए भी कई रॉकेट दागे गए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि हमलों में करीब 100 फलस्तीनी मारे गए जिनमें 28 बच्चे और 15 महिलाएं शामिल हैं जबकि 621 लोग घायल हो गए। हमास और इस्लामिक जिहाद उग्रवादी समूह ने 20 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। हालांकि इजराइल ने कहा कि संख्या इससे कहीं अधिक है। इजराइल में सात लोगों की मौत हो गई जिनमें छह साल का लड़का शामिल है।

जो बाइडन ने लड़ाई खत्म करने को लेकर नेतन्याहू से बात की

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि उन्होंने लड़ाई खत्म करने को लेकर नेतन्याहू से बात की है लेकिन साथ ही इजराइली नेता का समर्थन भी किया। वहीं, बृहस्पतिवार को मिस्र के अधिकारी संघर्ष विराम के लिए पहुंचे। मिस्र अकसर इजराइल और हमास के

बीच मध्यस्थ का काम करता है और पिछली कई लड़ाइयों को खत्म करने में उसकी अहम भूमिका रही है। अधिकारियों ने सबसे पहले गाजा में हमास के नेताओं से बात की और उसके बाद तेल अवीव में इजराइली नेताओं से बातचीत की। मिस्र के दो खुफिया अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह संघर्ष ऐसे वक्त चल रहा है जब मुस्लिमों के लिए रमजान का पवित्र महीना खत्म होने के बाद ईद मनाई जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

इजराइली सेना ने मीडिया का इस्तेमाल कर घातक जाल में फंसाया हमास ! मारे कई लड़ाके

यरूशलम। इजराइली पत्रकारों ने कहा कि इजराइल की सेना ने मीडिया का इस्तेमाल कर हमास को अपने जाल में बिछाया, जिसके कारण संभवतः दर्जनों लड़ाके मारे गए। दरअसल इजराइली सेना ने मीडिया के लिए बयान जारी किया कि ''इजराइली वायु एवं थल सेना गाजा पट्टी पर हमला कर रहे हैं।'' इस संक्षिप्त बयान ने इन अटकलों को हवा दी कि इजराइल ने गाजा पर जमीनी हमला कर दिया है। कुछ संवाददाताओं ने यह तक कह दिया कि हमला शुरू हो गया है। इसके कुछ ही घंटों बाद सेना ने एक ''स्पष्टीकरण'' जारी किया कि गाजा के भीतर कोई इजराइली सेना नहीं है, लेकिन तब तक कई बड़े मीडिया संस्थान यह जानकारी दे चुके थे कि जमीनी हमला शुरू हो गया है। इस बीच, हमास के लड़ाके मेट्रो के रूप में जानी जाने वाली सुरंगों के भूमिगत नेटवर्क में रक्षात्मक स्थलों पर चले गए। सेना ने बताया कि इजराइल ने 160 युद्धक विमान बुलाए और 40 मिनट तक सुरंगों पर बमबारी की। इजराइल के 'चैनल 13 टीवी' के पत्रकार ओर हेलर ने कहा कि उनका मानना है कि इस दौरान सैकड़ों चरमपंथी मारे गए। हालांकि सेना ने इसे गलतफहमी के चलते की गई रिपोर्टिंग करार दिया, लेकिन इजराइली पत्रकारों ने कहा कि हमास के आतंकवादियों को घातक जाल में फंसाने के लिए मीडिया का इस्तेमाल किया गया, जिसके कारण संभवतः दर्जनों लड़ाके मारे गए। हेलर ने कहा, ''उन्होंने झूठ नहीं बोला। उन्होंने छल किया। उन्होंने चतुराई की और यह सफल रहा।''

ब्राजील में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 1.55 करोड़ पार, नेपाल में 8,250 नए मामले

इंटरनेशनल न्यूज: ब्राजील में पिछले 24 घंटों के दौरान 85 हजार से अधिक कोरोना संक्रमण के नये मामले सामने आने से कुल संक्रमितो का आंकड़ा 1.55 करोड़ से पार हो गया वहीं 2383 लोगों की मौत हो गयी जिससे इस बीमारी से मरने वालों का आंकड़ा 4.32 लाख से अधिक हो गया। ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक पिछले 24 घंटे में 85,536 लोगों के कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि हुई और इसके साथ ही कुल संक्रमितों का आंकड़ा एक करोड़ 55 लाख 19 हजार 525 हो गया। वहीं इस बीमारी से मरने वालों की संख्या चार लाख 32 हजार 628 हो गयी। कोरोना संक्रमितों की संख्या के मामले में ब्राजील विश्व में अमेरिका और भारत के बाद तीसरे स्थान पर है जबकि इस महामारी से मौत के आंकड़ों के हिसाब से दूसरे स्थान पर है। उधर, नेपाल में बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस के 8,250 नए मामले सामने आए तथा यहां संक्रमण के कुल मामले 4,39,658 पर पहुंच गए। स्वास्थ्य अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्रालय की ओर से बताया गया कि यहां 203 संक्रमितों की मौत हुई। मंत्रालय की ओर से बताया गया, 'संक्रमण के कुल 4,39,658 हैं, वहीं मरने वालों की संख्या 4,669 पर पहुंच गई है।' यहां बीते 24 घंटे में 6,135 लोग संक्रमण से उबरे। एक दिन में स्वस्थ होने वाले लोगों की यह सर्वाधिक संख्या है।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत में फंसे अपने नागरिकों के लिए शुरू की उड़ानें, फ्लाइट में 40 यात्री पॉजिटिव मिलने पर की रद्द

मेलबर्न: भारत में कोविड-19 स्वास्थ्य संकट के कारण दो सप्ताह के प्रतिबंध के बाद ऑस्ट्रेलिया ने भारत में फंसे अपने नागरिकों की स्वदेश वापसी के लिए उड़ानें शुक्रवार से फिर से शुरू कर दीं। लेकिन भारत में ऑस्ट्रेलिया के कई ऐसे नागरिक ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा शुरू की गई एक उड़ान से शुक्रवार को स्वदेश नहीं लौट पाएंगे क्योंकि वे या तो कोविड-19 से संक्रमित थे या उनके बारे में आशंका थी कि वे किसी संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में आये थे। यह बात एक शीर्ष ऑस्ट्रेलियाई राजनयिक ने कही। भारत में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त बैरी ओ फैरेल के अनुसार शुक्रवार को पहली उड़ान में कई यात्रियों को सवार होने की इजाजत नहीं दी गई क्योंकि कोविड-19 जांच में उनके संक्रमित होने का पता चला।'' शुक्रवार रात नयी दिल्ली से रवाना होने वाली उड़ान की 150 सीटों में से लगभग आधी खाली रह जाएंगी, क्योंकि 40 से अधिक व्यक्ति जांच में संक्रमित पाये गए हैं, जिसका अर्थ है कि वे और उनके करीबी - कुल लगभग 70 व्यक्ति- विमान से नहीं जा पाएंगे।'' ओ फैरेल ने कहा कि जिन लोगों का उड़ान में जाना निर्धारित था उन सभी को होटल में रखा गया था जिसका खर्च सरकारी क्रान्टास एयरवेज द्वारा वहन किया गया था, ताकि वे उड़ान से पहले की जांच से गुजर सकें और दूसरे दौर की जांच रिपोर्ट अभी नहीं आयी है। उच्चायुक्त ने कहा कि इन सभी यात्रियों को ऑस्ट्रेलिया वापस जाने के लिए आवश्यक जांच नियमों से अवगत कराया गया था। उन्होंने कहा, ''जाहिर तौर पर मैं निराश हूं क्योंकि वे सभी ऑस्ट्रेलियाई हैं, जो आज की उड़ान में नहीं जा पाएंगे। मेरी टीम ने पूरे भारत में उन्हें इस उड़ान पर बुकिंग कराने के लिए कड़ी मेहनत की है, क्योंकि वे जोखिम में थे।'' ओ फैरेल ने कहा कि जो भी जांच में संक्रमित पाये गए हैं, उन्हें भी जोखिम में माना जाएगा और भविष्य की उड़ानों में उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

मानवाधिकार संगठनों के निशाने पर चीन, शिनजियांग में उइगरों का हाल जाने के लिए बनाया दबाव

न्यूयार्क (एजेंसी):

शिनजियांग में उइगर मुसलमानों पर अत्याचारों को लेकर चीन एक बार फिर मानवाधिकार संगठनों के निशाने पर है। कई पश्चिमी देशों और मानवाधिकार संगठनों ने संयुक्त राष्ट्र में चीन से एक बार फिर अपने देश के उत्तर पश्चिम क्षेत्र के शिनजियांग प्रांत में मूल निवासी अल्पसंख्यकों की स्थिति का जायजा लेने की अनुमति देने को कहा है ताकि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार संगठन के प्रमुख इन इलाकों का निर्बाध दौरा कर सकें।संयुक्त राष्ट्र में चीन द्वारा अपने समर्थन में ऐसी बैठकें टालने की कोशिश करने के लिए लॉबी करने के बावजूद विगत 12 मई को जर्मनी, ब्रिटेन और अमेरिका के नेतृत्व में कम से कम 18 देशों ने कुछ सिविल सोसाइटी के साथ मिलकर चीन पर दबाव बनाने के लिए बैठक की । संयुक्त राष्ट्र की इस वर्चुअल बैठक में संयुक्त राष्ट्र में ब्रिटेन की राजदूत बारबरा वुडवर्ड ने कहा कि वह सब लोग यहां चीन से यह कहने के लिए आए हैं कि वह तत्काल और उचित तरीके से उनके कार्यालय और संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार उच्चायुक्त को उनके

शिकायत वाले इलाकों की जांच करने की इजाजत दें। वाइस आफ अमेरिका के अनुसार संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बैचलेट ने कहा कि उन्होंने बीजिंग पर दबाव बनाया है कि वह प्रताड़ित किए जा रहे उइगर मुसलमानों की स्थिति का चीन के शिनजियांग प्रांत में जायजा लेने दे।

कजाकिस्तान में चीनी दूतावास के बाहर चीन का विरोध, 9 प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

(एजेंसी):

पुलिस ने कजाकिस्तान के अल्माटी में चीनी वाणिज्य दूतावास के बाहर चीन में अवैध रूप से रखे गए अपने रिश्तेदारों की रिहाई की मांग कर रहे कम से कम नौ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है। **RFI /RL** कजाख सेवा की रिपोर्ट के अनुसार नौ प्रदर्शनकारियों में से बैबोलत कुनबोलत और तुर्सुगुल नूरकाई को 11 मई की देर रात हिरासत में लिए जाने के कई घंटे बाद रिहा कर दिया गया जबकि अन्य का कोई पता नहीं है। कुनबोलत ने कहा कि अल्माटी में चीनी वाणिज्य दूतावास, एक चीनी बैंक और एक चीनी गैसोलीन स्टेशन के सामने प्रदर्शन करने वाले प्रदर्शनकारियों में मुख्य रूप से महिलाओं को हिरासत में लिया गया था। उन्होंने कहा, मैंने प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर नहीं किए और कोई गवाही नहीं लिखी। उन्होंने मुझे रात 9: 00 बजे के बाद जाने दिया लेकिन मुझे अगले दिन पूछताछ के लिए वापस आने का आदेश दिया गया। इसी तरह के कजाकिस्तान में कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं और लोगों ने कजाख अधिकारियों से झिंजियांग में जातीय कजाखों के सामने आने वाली स्थिति में आधिकारिक रूप से हस्तक्षेप करने की मांग की है। बता दें कि 2017 से एक लाख से

अधिक उइगर, कज़ाख और अन्य जातीय अल्पसंख्यकों को हिरासत शिविरों में रखा गया है। यूएस इंटरनेशनल रिलिजियस फ़्रीडम रिपोर्ट 2020 के अनुसार इन हिरासत केंद्रों में उइगर व अन्य मुसलमानों को धर्म और जातीयता दबाव, शारीरिक-मनोवैज्ञानिक, जबरन नसबंदी और यौन शोषण के अलावा जबरन श्रम आदि अत्याचारों का सामना करना पड़ रहा है।

चीन में छात्र की संदिग्ध मौत पर बवाल, सड़कों पर उतरे हजारों लोग

बीजिंग: चीन में एक नाबालिग छात्र की संदिग्ध मौत के बाद बवाल मच गया है। मृतक छात्र की मां द्वारा इस मौत के खिलाफ आवाज उठाने के बाद हजारों लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। मामला चीन के सिचुआन प्रांत की राजधानी चेंगदू का है।छात्र का शव स्कूल में मिला था। पुलिस ने आत्महत्या का मामला बताकर जांच को बंद कर दिया था। अब उसकी मां के पारदर्शी जांच की मांग और संदिग्ध परिस्थितियों पर सवाल खड़े करने के बाद चीन के इंटरनेट प्लेटफार्म तूफान आ गया है। हजारों लोग मारे गए छात्र की मां के समर्थन में उतर आए हैं। सरकार और पुलिस सीधे निशाने पर आ गई है। आमतौर पर चीन में आवाज उठाने के ऐसे मामले न के बराबर ही होते हैं। चेंगदू के शिक्षा विभाग ने मामले से पल्ला झाड़ लिया है। विभाग ने बयान जारी कर दिया है कि छात्र ने व्यक्तिगत समस्याओं के कारण आत्महत्या कर ली है। इधर छात्र की मां का आरोप है कि मामले को प्रशासन छिपा रहा है। उसकी मौत की जानकारी दो घंटे बाद दी गई। बाद में उसने जब स्कूल के वीडियो फुटेज दिखाने के लिए कहा, तो मना कर दिया। उसके साथ के छात्रों को भी कुछ न बोलने की हिदायत दी गई है। अब मारे गए बच्चे की मां इस मामले में पारदर्शी जांच की मांग कर रही है।

पाक की एग्जिट कंट्रोल लिस्ट में शामिल हुए शाहबाज शरीफ, पार्टी ने PM इमरान की खिंचाई की

इस्लामाबाद । संघीय मंत्रिमंडल की सिफारिश पर पाकिस्तानी आंतरिक मंत्रालय से मंजूरी के बाद विपक्षी नेता शाहबाज शरीफ को देश की निकास नियंत्रण सूची (ECL) में जोड़ने का निर्देश दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि मंत्रियों ने राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (NAB) के अनुरोध पर एक सर्कुलेशन के माध्यम से आगे बढ़ने की अनुमति दी। संघीय कैबिनेट की एक उप-समिति ने शाहबाज कोECL में

शामिल करने की सिफारिश की थी। इससे पहले बुधवार को इस्लामाबाद में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आंतरिक मंत्री शेख रशीद ने कहा था कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष 15 दिनों के भीतर फैसले की समीक्षा के लिए याचिका दायर कर सकते हैं। कोर्ट का फैसला काली सूची में डालने के संबंध में आया है। शाहबाज शरीफ काली सूची में नहीं थे। इस बीच यह खबर पीएमएल-एन को अच्छी नहीं लगी। पार्टी प्रवक्ता मरियम औरंगजेब ने प्रधानमंत्री इमरान खान पर निशाना साधते हुए कहा कि ईद की छुट्टियों के बावजूद वह शाहबाज के पीछे पड़े रहे । औरंगजेब ने कहा कि ईद के मौके पर गरीबों और जरूरतमंदों के बारे में सोचने के बजाय प्रधानमंत्री इमरान खान केवल शाहबाज के बारे में सोचते रहे और उन्होंने कार्यालय खोलने का आदेश दिया ताकि उनका नाम ईसीएल में रखा जा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इमरान खान ने शाहबाज शरीफ पड़ने के बजाय ईद के दिन राष्ट्र को उपहार के रूप में अपने पद से इस्तीफा दे देते। उन्होंने कहा, काश आपने ईद के मौके पर जनता से माफी मांगी होती या इसके बदले गेहूं, चीनी और दवा माफिया को गिरफ्तार करने का आदेश दिया होता। यह दोहराते हुए कि लाहौर उच्च न्यायालय ने पहले ही पीएमएल-एन अध्यक्ष को चिकित्सा उपचार लेने के लिए विदेश जाने की अनुमति दे दी थी।

18 प्रमुख वैज्ञानिकों को WHO की चीन को 'क्लीनचिट' पर शक,कहा- वुहान से कोरोना वायरस लीक की हो जांच

लंदन (एजेंसी)।

कोरोना वायरस की उत्पति को लेकर चीन एक बार फिर दुनिया के कटघरे में हैं। विश्व भर में चीन से फैले इस वायरस को लेकर ड्रैगन की किरकिरी हो चुकी है। इस बारे में जांच करने चीन के वुहान गई विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम की क्लीनचिट के बावजूद ब्रिटेन और अमेरिका के प्रमुख वैज्ञानिकों के समूह ने चीन पर उंगली उठाई है । इस समूह का कहना है कि कोरोना महामारी कहां से पैदा हुई, इसका पता लगाने के लिए और अधिक जांच की जरूरत है। समूह का कहना है कि इस जांच में चीन के वुहान की वायरॉलजी लैब से वायरस के 'ऐक्सिडेंटल लीक' से आने की धारणा भी शामिल हो। इन वैज्ञानिकों में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के प्रतिरक्षाविज्ञान और संक्रामक रोग विशेषज्ञ भारतीय मूल के रवींद्र गुप्ता शामिल हैं। 'साइंस' पत्रिका में प्रकाशित एक पत्र में हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड और एमआईटी जैसे दुनिया के प्रमुख विश्वविद्यालयों के 18 विशेषज्ञों ने कहा कि भविष्य के प्रकोपों के जोखिम को कम करने के लिए वैश्विक रणनीतियों बनाने के वास्ते यह जानना जरूरी है कि कोरोना वायरस कैसे उभरा। विशेषज्ञों ने आगाह किया कि जब तक पर्याप्त आंकड़े न हों तब तक प्राकृतिक तरीके से और लैब से वायरस के फैलने के बारे में थिअरीज को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। समूह का कहना है कि WHO के महानिदेशक, अमेरिका और 13 अन्य देशों और यूरोपीय संघ से सहमत हैं कि इस महामारी की उत्पत्ति के बारे में अधिक स्पष्टता प्राप्त करना आवश्यक और संभव है। जब तक पर्याप्त आंकड़े न हों तब तक प्राकृतिक तरीके से और लैब से वायरस के फैलने के बारे में थ्योरीज को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।' महामारी के इतिहास का जिक्र करते हुए वैज्ञानिकों ने बताया कि किस तरह 30 दिसंबर, 2019 को प्रोग्राम फॉर मॉनिटरिंग इमर्जिंग डिजीज ने दुनिया को चीन के वुहान में अज्ञात कारणों से होने वाले

निमोनिया के बारे में सूचित किया था। इससे कारक प्रेरक एजेंट सीवीयर एक्यूट रेसपीरेटरी सिंड्रोम कोरोना वायरस 2 (SARS-CoV-2) की पहचान हुई थी। मई 2020 में विश्व स्वास्थ्य सभा ने अनुरोध किया था कि WHO के महानिदेशक SARS-CoV-2 की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए भागीदारों के साथ काम करें। नवंबर 2020 में, चीन-डब्ल्यूएचओ के संयुक्त अध्ययन के लिए संदर्भ की शर्तें जारी की गई थीं। अध्ययन के पहले चरण के लिए जानकारी, आंकड़े और नमूने एकत्र किए गए थे और टीम द्वारा संक्षेप में प्रस्तुत किए गए थे।

चीन का अंतरिक्ष यान पहला रोवर लेकर मंगल ग्रह पर उतरा

बीजिंग। चीन की अंतरिक्ष एजेंसी चाइना नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (सीएनएसए) ने शनिवार सुबह पुष्टि की कि मंगल ग्रह के लिये देश का पहला रोवर लेकर एक अंतरिक्ष यान 'लाल' ग्रह पर उतर गया है। इसके साथ

ही चीन मंगल ग्रह पर रोवर उतारने वाला दुनिया का दूसरा देश बन गया है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि रोवर 'झुरोंग' का नाम चीन की पौराणिक कथा में अग्नि और युद्ध के देवता के नाम पर रखा गया है। यह रोवर मंगल ग्रह पर यूटोपिया प्लैनिशिया में पहले से चयनित इलाके में उतरा। मंगल ग्रह पर पहुंचने वाले रोवर का वजन करीब 240 किलोग्राम है, उसमें छह पहिए और चार सौर पैनल हैं तथा वह प्रति घंटे 200 मीटर तक घूम सकता है। इसमें छह वैज्ञानिक उपकरण हैं जिनमें बहु-वर्णीय कैमरा, रडार और एक मौसम संबंधी मापक है। इसके मंगल ग्रह पर करीब तीन महीने तक काम करने की संभावना है। एक ऑर्बिटर, एक लैंडर और एक रोवर लेकर गए अंतरिक्ष यान 'तिआनवेन-1' का प्रक्षेपण 23 जुलाई 2020 को किया गया था। सौर मंडल में और अन्वेषण के मकसद से एक मिशन में ही ऑर्बिटिंग (कक्षा की परिक्रमा), लैंडिंग और रोविंग पूरा करने के उद्देश्य से मंगल ग्रह पर पहुंचने की दिशा में यह चीन का पहला कदम है। सीएनएसए ने एक बयान में बताया कि उसका रोवर ''नौ मिनट की कठिन यात्रा'' के बाद शनिवार को मंगल ग्रह पर सफलतापूर्वक उतर गया।

नेपाल में चीन के चहेते ओली ने तीसरी बार ली पीएम पद की शपथ, पुराने मंत्रिमंडल को रखा बरकरार

काठमांडू (एजेंसी):

संसद में विश्वासमत गंवाने के कुछ दिन बाद चीन के चहेते के पी शर्मा ओली ने शुक्रवार को तीसरी बार नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने ओली (69) को शीतल निवास में एक समारोह में नेपाल के 43 वें प्रधानमंत्री के तौर पर पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। राष्ट्रपति ने नेपाल की प्रतिनिधि सभा में सबसे बड़ी पार्टी के नेता के तौर पर ओली को प्रधानमंत्री नियुक्त किया। सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष ओली को बृहस्पतिवार को इस पद पर फिर से नियुक्त किया गया जब विपक्षी पार्टियां नयी सरकार बनाने के लिए संसद में बहुमत हासिल करने में विफल रहीं। बता दें कि नेपाल में कई महीनों से चल रही राजनीतिक उठा-पटक में चीन की पूरी दखलअंदाजी रही। दरअसल भारत के खिलाफ साजिशों औरअपनी महत्वकांशाओं को पूरा करने के लिए चीन ओली को मोहरा बनाना चाहता है और काफी हद तक कामयाह भी हुआ है। इससे तीन दिन पहले ओली प्रतिनिधि सभा में अहम विश्वास मत हार गए थे। ओली को अब 30 दिन के भीतर सदन में विश्वास मत हासिल करना होगा जिसमें विफल रहने पर संविधान के अनुच्छेद 76 (5) के तहत सरकार बनाने का प्रयास शुरू किया जाएगा। समारोह के दौरान ओली के मंत्रिमंडल के मंत्रियों ने भी शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान प्रधानमंत्री ओली और उप प्रधान मंत्री ईश्वर पोखरेल ने ईश्वर शब्द का जिक्र नहीं किया जबकि राष्ट्रपति भंडारी ने इसका उल्लेख किया। ओली ने कहा, ''मैं देश और लोगों के नाम पर शपथ लूंगा।'' जबकि राष्ट्रपति ने ''ईश्वर, देश और लोगों'' का उल्लेख किया।

पुराने मंत्रिमंडल के सभी मंत्रियों और राज्य मंत्रियों को नए मंत्रिमंडल में जगह दी गयी है। प्रदीप ज्ञवाली विदेश मंत्री जबकि राम बहादुर थापा और बिष्णु पौडयाल क्रमशः गृह और वित्त मंत्री बनाए गए हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री बोले-चीन के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का देंगें पूरा साथ

लॉस एंजलिस (एजेंसी):

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने गुरुवार को चीन द्वारा आर्थिक दबाव के विरोध में ऑस्ट्रेलिया को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। यहां आईं ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री मॉरिस पायने के साथ प्रेसवार्ता में को संबोधित करते हुए ब्लिंकन ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका चीन के सामने ऑस्ट्रेलिया को मैदान पर अकेला नहीं छोड़ेगा। अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के राजनयिकों ने चीन पर चर्चा करने के बाद कहा कि दोनों देश क्वाड सहयोग के जरिए और अधिक काम करना चाहते हैं। पायने ने कहा कि हमने ऑस्ट्रेलिया के चीन के साथ रिश्तों पर बातचीत की। उन्होंने कहा, हम चीन से रचनात्मक संबंध चाहते हैं और फिर से संवाद शुरू करने को तैयार हैं। इस बीच, ब्लिंकेन ने कहा, अमेरिका निश्चित ही ऑस्ट्रेलिया को अकेला नहीं छोड़ेगा, खासतौर से चीन की ओर से आर्थिक दबाव के मामले में। इस दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकेन ने कहा मुक्त व खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र की साझा सोच को आगे बढ़ाने की खातिर हम भारत और जापान के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। ब्लिंकन ने कहा, हम बड़ी और जटिल चुनौतियों से निपट रहे हैं। इनमें पूर्व और दक्षिण चीन सागर में

अंतरराष्ट्रीय नियम का पालन सुनिश्चित करना और कोविड-19 रोधी टीकों की दुनियाभर में सुरक्षित एवं प्रभावी पहुंच बनाना शामिल है।

उन्होंने भारत, जापान व ऑस्ट्रेलिया के साथ राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा मार्च में आयोजित क्वाड शिखर सम्मेलन को गौरव का विषय बताते हुए कहा कि हम आगामी महीनों और वर्षों में अपने सहयोगियों के सहयोग से और अधिक काम करने के लिए उत्साहित हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तुम्हारी स्कूल की छुट्टियां तो खत्म हो गई होंगी और स्कूल से मिला हॉलीडे होमवर्क भी तुमने खत्म कर लिया होगा। लेकिन तुममें से कितने बच्चों ने हैंडराइटिंग के 100 पेज पूरे किए। नहीं किए ना! बेचारी टीचर कह-कहकर थक जाती हैं कि रोज 10 पेज लिखकर हैंडराइटिंग का अभ्यास करो, लेकिन तुम लोग हमेशा इससे बचते हो। चलो आज हम जानते हैं हैंडराइटिंग की कहानी और क्या है इसका महत्व।

आईना है तुम्हारी लिखावट

क्या है हैंडराइटिंग

सबसे पहले तुम्हें समझना चाहिए कि हैंडराइटिंग क्या है? पेन या पेंसिल पकड़कर अक्षर बनाना ही केवल हैंडराइटिंग की परिभाषा नहीं है, बल्कि अलग-अलग इंसान के लिखने की अद्भुत कला को हैंडराइटिंग कहा जाता है और ये कैलिग्राफी और टाइपफेस से अलग होती है। तुम्हें पता है, हर इंसान की अपनी एक हैंडराइटिंग होती है और पूरी दुनिया में किसी भी इंसान की हैंडराइटिंग एक जैसी नहीं है। तुम्हें जानकर आश्चर्य होगा कि जुड़वां बच्चों की हैंडराइटिंग भी एकदम अलग होती है।

लेखन की शुरुआत

हैंडराइटिंग के इतिहास को लेकर लोगों के अपने-अपने मत हैं। कहा जाता है कि इसकी शुरुआत 3,300 ईसा पूर्व मेसोपोटामिया में हुई थी। उस समय किसी आदमी ने मिट्टी के बोर्ड पर राशन का रिकॉर्ड रखने के लिए पहली बार लिखा था। ब्रिटेन के एक म्यूजियम में इस बोर्ड को आज तक संभालकर रखा गया है। वहीं कुछ शोधकर्ताओं का ये भी मानना है कि 60,000 से 25,000 ईसा पूर्व आदमी हड्डियों और पत्थरों पर आड़ी-तिरछी लाइनें खींचा करता था, ठीक उसी तरह जिस तरह तुम लोग क्लास में बोर होते समय अपनी कॉपी में खींचते रहते हो। इसकी भी एक मजेदार कहानी है। पुराने समय में जब लोग जहाज लेकर जाते थे तो उस टापू की पहचान के लिए उसके पत्थरों पर बड़ी-बड़ी लकीरें खींच देते थे जिससे कोई और जहाज और उसके कर्मचारी वहां अपना ठिकाना न बनाएं।

कहती है बहुत कुछ..

तुम्हारी हैंडराइटिंग तुम्हारे बारे में बहुत कुछ बताती है। इसे ग्राफोलॉजी यानी हैंडराइटिंग एनालिसिस भी कहते हैं। तुम जिस तरह अक्षर बनाते हो, तराशते हो, इससे तुम्हारी 5000 तरह की पर्सनैलिटी का पता चलता है। साइकोलॉजी विषय में तुम्हारी हैंडराइटिंग की मदद से ही पता लगाया जाता है कि दिमाग सही काम कर रहा है या नहीं।

राइटिंग से जुड़ी मजेदार बातें

- नेपोलियन बोनापार्ट के बारे में तो तुम लोग जानते ही होगे। पता है, उनकी हैंडराइटिंग इतनी भयानक और भद्दी थी कि वह जब भी अपने कमांडर को कोई नोट लिखकर भेजते थे तो वह किसी युद्ध का मैप लगता था।
- कुछ लोगों का मानना है कि राइटिंग दुनिया में पिछले 5,000 सालों से है, वहीं कुछ शोधकर्ता मानते हैं कि यह 50,000 से 100,000 साल पुरानी है।
- यूरोप में 15वीं शताब्दी में केवल अमीर वर्ग के लोग ही अच्छी राइटिंग में लिखना जानते थे।
- अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन की हैंडराइटिंग इतनी सुंदर थी कि जब वह केवल 12 साल के थे, तब उनके नोट्स की एक कॉपी वॉशिंगटन की लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस में लगाई गई थी।
- अमेरिका में 1000 से भी ज्यादा ऐसे स्कूल हैं, जहां हैंडराइटिंग एक आवश्यक स्किल है। यानी तुम लोग जिस तरह बहाना बना देते हो, वे बच्चों हैंडराइटिंग के लिए बहाना भी नहीं बना पाते हैं।
- वैज्ञानिकों का मानना है कि साफ-सुथरे तरीके से लिखने से याददाश्त तेज होती है।

बनेगा बेहतर भविष्य

पता है अगर तुम साफ-सुथरी हैंडराइटिंग में लिखते रहोगे तो तुम्हारा भविष्य बेहतर बन सकता है। अच्छे लेखन और राइटिंग का प्रभाव दूसरे व्यक्ति पर जरूर पड़ता है।

हो सकता है कि तुम अपनी सुंदर हैंडराइटिंग के कारण कैलिग्राफी आर्टिस्ट, राइटिंग आर्टिस्ट, शिक्षक और लेखक आदि बन जाओ। स्कूल में भी अपने टीचर की नजर में तुम नंबर वन छात्र बन सकते हो। स्कूल में भी सुलेख प्रतियोगिताएं होती ही रहती हैं। अपनी हिंदी और अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं की राइटिंग सुधारो और इन प्रतियोगिताओं के चैंपियन बनकर दिखाओ। देखना, हर तरफ तुम्हारी वाहवाही होगी।

राइटिंग स्किल भी जरूरी

राइटिंग में कुछ रचनात्मकता भी झलकनी चाहिए और इसी रचनात्मकता को कहते हैं राइटिंग स्किल। तुम्हारी हैंडराइटिंग और तुम्हारे ज्ञान का मिश्रण ऐसा होना चाहिए कि तुम्हें कोई भी विषय दे दिया जाए और तुम फट से उस पर लिख डालो। तुम्हारे शिक्षक भी उन बच्चों से बेहद खुश रहते होंगे, जिनकी हैंडराइटिंग और राइटिंग स्किल अच्छी होती होगी, इसलिए अभ्यास जरूरी है। निरंतर अभ्यास करते रहने से तुम निबंध, अनुच्छेद, पत्र, संवाद, चित्र और डायरी लेखन बिना किसी हिचकिचाहट के आसानी से कर सकोगे।

अक्षर का पुराना इतिहास

देखो, हैंडराइटिंग को सुंदर बनाने के लिए एक-एक अक्षर को सुडौल और खूबसूरत बनाना पड़ता है। इन प्यारे-प्यारे अक्षरों की भी एक कहानी है। पहले अक्षर की खोज 1900 ईसा पूर्व सीनाई पेनिनसुला के लोगों ने की थी। इन सेमिटिक लोगों को मिस्र ने गुलाम बना रखा था। ये लोग हमेशा सोचते रहते कि अक्षरों की अपनी एक दुनिया है और हर शब्द की अपनी एक ध्वनि भी है। उन्हें समझ में आया कि अक्षर से चीजें याद रखने में बेहद मदद मिलती है, वहीं संकेत तो वे भूल जाते हैं। इसके बाद उन्होंने 22 मिस्र के संकेतों को अपने संकेतों के साथ मिलाया और पहले अक्षर की रचना की। इसके बाद वे इन अक्षरों का प्रयोग कुछ प्रचलित चीजों के लिए करने लगे जैसे घर, हाथ, पानी, आंख और मछली।

नेशनल हैंडराइटिंग डे

जिस तरह तुम लोग टीचर्स डे, रिपब्लिक डे और फादर्स डे सेलिब्रेट करते हो, वैसे ही कई देशों में हैंडराइटिंग डे भी मनाया जाता है। यह दिन हर वर्ष 23 जनवरी को आता है। इस दिन बच्चों अपने-अपने घरों में, स्कूलों में कम से कम एक पेज जरूर लिखते हैं। बच्चों की हैंडराइटिंग का विकास बचपन से शुरू हो जाता है। इसलिए निरंतर अभ्यास करना जरूरी है। अगर बच्चा उल्टे हाथ से लिखना शुरू कर रहा है तो उस पर ध्यान देने की थोड़ी अधिक जरूरत है। इसके लिए अभिभावक उसका हाथ पकड़कर और बिंदु बनाकर उसका अभ्यास करवाएं।

ऐसे सुधार सकते हो लिखावट..

रोज लिखो - तुम रोज कम से कम पांच पन्ने लिखने की आदत डालो। इस तरह तुम्हारी हैंडराइटिंग खुद-ब-खुद सुधर जाएगी और तुम्हें लिखने में मजा आने लगेगा।

स्पेलिंग पर ध्यान - लिखते समय स्पेलिंग की गलती का जरूर ध्यान रखना। जब तुम रोज अभ्यास करो, तब किसी बड़े से एक बार जरूर अपने पेज को पढ़वा लो, इस तरह तुम्हारी हैंडराइटिंग का भी आकलन हो जाएगा और तुम्हारी स्पेलिंग की गलतियां भी सामने आ जाएंगी।

बनाओ प्यारी सी डायरी - देखो हैंडराइटिंग के अभ्यास के लिए तुम्हारी नोटबुक भी खास होनी चाहिए, इसलिए एक प्यारी सी डायरी खरीदो और रोज उस पर ही अभ्यास करो। इस तरह तुम्हें अपनी डायरी से प्यार होगा और तुम्हें लिखना भी अच्छा लगने लगेगा।

ग्रीटिंग कार्ड बनाओ - तुम अपने मम्मी-पापा, टीचर और भाई-बहनों के लिए खुद से कार्ड बनाओ और उस पर लिखो। इससे भी तुम्हारा अभ्यास होता रहेगा।

चिट्ठी करेगी मदद - आज मोबाइल के जमाने में चिट्ठी का दस्तूर एकदम खत्म हो गया है, लेकिन तुम इस परंपरा को फिर से शुरू कर सकते हो। बस झट से कागज-कलम उठाओ और अपने किसी रिश्तेदार को चिट्ठी लिखो। देखना, तुम्हारी हैंडराइटिंग में कितना सुधार आता है।

अच्छी कलम-पेंसिल का इस्तेमाल - अच्छी हैंडराइटिंग में बढ़िया पेन और पेंसिल का भी बेहद योगदान होता है, इसलिए इन चीजों में कभी कंजूसी मत करना। तुम जितना अच्छा पेन या पेंसिल इस्तेमाल करोगे, तुम्हारा सुलेख उतना सुंदर होगा।

फाउंटेन पेन - जब तुमने पहली बार पेन से लिखना शुरू किया होगा, तब तुम्हारी टीचर ने फाउंटेन पेन से लिखने की सलाह दी होगी। फाउंटेन पेन से हैंडराइटिंग बेहद अच्छी होती है।

आत्मविश्वास जरूरी - अच्छी हैंडराइटिंग के लिए आत्मविश्वास भी बेहद जरूरी है। हर समय बस ये मत सोचो कि मेरी राइटिंग तो कितनी गंदी है, बल्कि ये सोचो कि मुझे अपनी हैंडराइटिंग सबसे बेहतर करनी है।

लिखो बोर्ड पर - अक्षरों को बेहतर शेप देने के लिए व्हाइट या ब्लैक बोर्ड पर लिखना शुरू कर दो। इससे तुम्हारा हाथ सेट होगा और तुम फिर कॉपी पर भी अच्छा लिखना शुरू कर दोगे।

देखो दोस्तों की राइटिंग - दूसरों से सीखकर तुम बहुत कुछ सीख सकते हो। अपने दोस्तों की हैंडराइटिंग देखकर भी प्रेरणा ले सकते हो।

अपनाओ अपना स्टाइल - तुम जिस तरह लिखने में आरामदायक महसूस करते हो, वैसे ही लिखो। ये कतई जरूरी नहीं कि तुम्हारा दोस्त कर्सिव लिख रहा है तो तुम भी वैसे ही लिखो। तुम अपना खुद का राइटिंग स्टाइल अपनाओ। **कंप्यूटर को 'नो'**- हर समय लिखने के लिए कंप्यूटर, टाइपराइटर और अन्य शॉर्टकट अपनाने से बचो। छोटे से छोटे नोट, घर की लिस्ट भी हाथ से लिखो।

जानो आइसक्रीम की हिस्ट्री

बच्चों! आइसक्रीम हर किसी को ललचाती है। आज बाजार में आइसक्रीम वनीला, चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, मैंगो, पाइनऐपल आदि के स्वाद के साथ कोन, कप, स्टिक आदि के आकर्षक पैकेज में मौजूद है, लेकिन क्या आपको पता है कि आखिर तरह-तरह की वेरायटी वाली आइसक्रीम बनी कैसे, इसकी शुरुआत कब और कैसे हुई? आइए जानें इस बारे में..

वैसे यह निश्चित रूप से मालूम नहीं है कि सबसे पहले आइसक्रीम कैसे बनी और इसकी शुरुआत कैसे हुई, लेकिन एक किंवदंती के अनुसार, लगभग दो हजार साल पहले रोमन सम्राट नीरो ने अपने गुलामों से कहा था कि वे पास के पहाड़ों से बर्फ ले आयें। नीरो ने उस बर्फ में फलों का रस, शहद आदि मिलाया और उसका आनंद लिया. इसे ही आइसक्रीम की शुरुआत माना जा सकता है। समय बीतने के साथ लोग बर्फ में अन्य स्वादिष्ट चीजें मिलाकर खाने लगे और सन् 1600 तक आइसक्रीम काफी लोकप्रिय हो युकी थी। इसके बाद लोग अनेक प्रकार के प्रयोग करके इसे नया-नया रूप, आकार व स्वाद देकर और लोकप्रिय बनाते चले गये। एक बार पार्टियों में वेटर का काम करने वाले रॉबर्ट ग्रीन नामक व्यक्ति ने मजबूरीवश एक प्रयोग कर डाला। उस समय क्रीम और काबरेनेटेड पानी मिला कर एक पेय बनाया जाता था जो कई दशकों तक खासा लोकप्रिय रहा था। एक पार्टी में उस पेय के लिए क्रीम कम पड़ गई। ग्रीन ने उसकी जगह वनीला आइसक्रीम डाल दी। आइसक्रीम एक फोम के रूप में गिलास में ऊपर तक भर गई और वह घोल काफी स्वादिष्ट बन पड़ा था और जल्दी ही वह लोकप्रिय हो गया। इसे आइसक्रीम सोडा के नाम से पुकारा जाने लगा। इसी तरह के मजबूरीवश किये प्रयोगों ने अन्य प्रकार की आइसक्रीम्स को जन्म दिया।

संडे आइसक्रीम

स्मिथसन नामक व्यक्ति के पास एक छोटा-सा रेस्त्रं था, जिसमें लोग आइसक्रीम खाने अक्सर आते थे. 1890 के एक रविवार के दिन उसके रेस्त्रं में आइसक्रीम कम पड़ने लगी और दूसरी चीजें, जैसे फल, विभिन्न प्रकार की चॉकलेटें, क्रीमें आदि काफी थीं। रविवार को आइसक्रीम की आपूर्ति नहीं होती थी इसलिए स्मिथसन ने आइसक्रीम की मात्र कम कर दी तथा उसके ऊपर फल, चॉकलेट सिरप और दूसरी गाढ़ी क्रीम डालना प्रारंभ कर दिया। जब ग्राहकों ने इसकी तारीफ करना प्रारंभ कर दिया तो उसने इस आइसक्रीम का नाम संडे आइसक्रीम रख दिया। अब वह हर रविवार को संडे आइसक्रीम देने लगा। धार्मिक कारणों से कुछ लोगों द्वारा संडे नाम का विरोध करने पर स्मिथसन ने संडे आइसक्रीम में संडे की स्पेलिंग बदल डाली।

कोन वाली आइसक्रीम

कुरकुरे कोन में आइसक्रीम खाने का अलग ही आनंद है। इसकी शुरुआत भी मजबूरी में ही हुई। 1904 में सेंट लुई मेले में दो व्यक्ति खाने की वस्तुओं के काऊंटर पर अगल-बगल खड़े थे। एक पेपर की प्लेटों में आइसक्रीम बेच रहा था और दूसरा वेफर पर (पेस्ट्री जैसा लगने वाला) जिसके ऊपर चीनी के दाने चिपके हुए थे। अगस्त का महीना था और लोग धड़ाधड़ आइसक्रीम ले रहे थे। वेफर बेचने वाला मुंह ताक रहा था। तभी अचानक कागज की प्लेटें कम पड़ गईं और आइसक्रीम वाले को लगा कि अब उसे अपना काऊंटर बंद करना पड़ेगा। तभी वेफर बेचने वाला उसकी मदद के लिए आगे आया। उसने वेफल से कोन बनाया और दोनों उसमें आइसक्रीम भर कर बेचने लगे। लोगों को कुरकुरा वेफ र आइसक्रीम के साथ बहुत भाया तथा अब वह खूब बिकने लगा। 1920 तक एक-तिहाई आइसक्रीम कोन में बिकने लगी।

चॉकलेट आइसक्रीम

एक दिन क्रिश्चियन नेल्सन नामक व्यक्ति अमेरिका के आयोवा में स्थित अपनी दुकान में आइसक्रीम व चॉकलेट बेच रहा था। तभी एक बालक हाथ में सिक्के लिए दुकान में आया और आइसक्रीम की फरमाइश की। फिर उसने इरादा बदल दिया और चॉकलेट की फरमाइश कर डाली। नेल्सन को लगा कि यह बालक तभी संतुष्ट हो पायेगा जब उसे दोनों स्वाद मिलेंगे। उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस काटी तथा उसके दोनों ओर चॉकलेट की पतली परत चिपका दी और तभी चॉकलेट आइसक्रीम की खोज हो गयी। अब वह नयी चॉकलेट वाली आइसक्रीम जमाने लगा। उसने इस दिशा में अनेक प्रयोग भी कर डाले ताकि चॉकलेट उसकी आइसक्रीम से भली प्रकार चिपक जाये। उसे सफलता आसानी से नहीं मिल रही थी। तभी उसको एक सेल्समैन ने सलाह दी कि वह कोको बटर का प्रयोग करे। अब नेल्सन ने नये सिरे से प्रयोग प्रारंभ कि ये। 1920 में एक रात उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस चॉकलेट के मिश्रण में डाली। कुछ देर बाद चॉकलेट ठंडा होकर आइसक्रीम के चारों ओर जम गया। इसके साथ ही चॉकलेट लगी आइसक्रीम खासी लोकप्रिय हो गई।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सरेआम बिल्डर की हत्या

४ हमलावरों की तलाश में पुलिस ने की नाकाबंदी

क्रांति समय दैनिक

तापी जिले के व्यारा में शुक्रवार की रात एक बिल्डर की सरेआम हत्या से सनसनी फैल गई। कार में आए चार हमलावरों ने बिल्डर पर तलवार से १५ जितन वार किए। इस दौरान बिल्डर को बचाने का प्रयास करने वाले तरबूज के एक व्यापारी को हमलावरों ने घायल कर दिया। गंभीर हालत में बिल्डर को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने नाकाबंदी कर हमलावरों की तलाश शुरू की है। जानकारी के मुताबिक तापी जिले के व्यारा के रायकवाड निवासी ४० वर्षीय बिल्डर निशिश मणीलाल शाह बिल्डर हैं। शुक्रवार की रात निशिश शाह मोटर साइकिल पर व्यारा के हरि हरेश्वर महादेव मंदिर के निकट तरबूज लेने जा रहे थे। उस वक्त एक कार ने निशिश शाह को टक्कर मार दी, जिससे निशिश शाह मोटर साइकिल के साथ जमीन पर जा गिरे। निशिश संभले उससे पहले कार में सवार चार शख्स तलवारों के साथ बाहर निकल आए और निशिश शाह पर हमला कर दिया। तरबूज के व्यापारी गणेश बलवंत विहारकर ने जब निशिश शाह को बचाने का प्रयास किया तो अज्ञात शख्सों ने तलवार से वार कर उसे भी घायल कर दिया। तलवारों से १५ जितने वार कर हमलावर कार में बैठकर फरार हो गए। गंभीर हालत में निशिश शाह को तुरंत निजी अस्पताल पहुंचाया

सुरत में सुरत महानगर पलिका के अधिकारीयों ने तूफान के चलते तटीय क्षेत्रों में गाँव और मछुआरों को सतर्क रहने का कहा, साथ पालिका कर्मी की छुट्टी रद्द किया गया.

गृह क्लेश से तंग आकर पति ने आत्महत्या कर ली

क्रांति समय दैनिक

सूरत,शहर के भेस्तान क्षेत्र में एक इंजीनियर पति ने शिक्षिका पत्नी से तंग आकर फांसी लगाकर जान दे दी। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत के भेस्तान की दीपज्योत सोसायटी निवासी संतोष रामशंकर यादव मुंबई की एक कंपनी में बतौर इंजीनियर सेवारत था। उत्तर प्रदेश के मूल निवासी संतोष यादव की पत्नी शिक्षिका है। कोरोना महामारी के चलते संतोष यादव घर से काम करता था। पिछले काफी समय से नया मकान खरीदने को लेकर संतोष और उसकी पत्नी के बीच लड़ाई-झगडा चल रहा था। आए दिन के लड़ाई-झगड़े से तंग आकर संतोष ने जब घर में कोई नहीं था, तब फांसी लगा ली। परिवार के सदस्य जब घर पहुंचे तो संतोष को फांसी से लटका देख उसे तुरंत नीचे उतारा और अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने संतोष को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस पहुंच गई। संतोष के पिता रामशंकर यादव ने पुलिस को बताया कि पिछले काफी समय से बेटे-बहु के बीच नए मकान को लेकर झगड़ा चल रहा था। रामशंकर यादव के बयान के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरूकी है।

विवाहिता को अश्लील वीडियो भेजने के आरोप में सोसायटी का सिक्युरिटी गार्ड गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,शहर के सेटेलाइट क्षेत्र की एक सोसायटी के सिक्युरिटी गार्ड को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया गार्ड एक विवाहित महिला को पिछले कई महीनों से अश्लील वीडियो और तस्वीरें भेजता था। विवाहिता की शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम ने यह कार्यवाही की। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के इस्कॉन आंबली रोड पर २७ वर्षीय विवाहिता अपने परिवार के साथ रहती है। विवाहिता का पति कैमिकल डाई का व्यवसायी है और उसके दो साल का बेटा है। कुछ महीने पहले विवाहिता सेटेलाइट क्षेत्र के अर्चन रेसिडेन्सी में गई थी। जहां सोसायटी में एन्ट्री के लिए रजिस्टर में अपना नाम, मोबाइल नंबर इत्यादि भरा था। सोसायटी के सिक्युरिटी गार्ड विवाहिता की सुंदरता से मोहित हो गया। २८ फरवरी को विवाहिता को अज्ञात नंबर से एक मैसेज आया। लेकिन नंबर अज्ञात होने की वजह से विवाहिता ने उस पर ध्यान नहीं दिया। दो मार्च को विवाहिता के मोबाइल अज्ञात पर नंबर से अश्लील वीडियो और तस्वीरों के साथ 'हाय' का मैसेज मिला। इस बार भी महिला ने कोई रिप्लाय नहीं दिया। जिसके बाद २४ मार्च को फिर एक बार अज्ञात नंबर से अश्लील वीडियो और तस्वीरों के साथ 'हाय, ऑनलाइन आइए दोस्त' का मैसेज मिला। अबकी बार महिला को अहसास हुआ कि उसे कोई परेशान कर रहा है। जिससे विवाहिता ने जिन नंबरों से अश्लील वीडियो इत्यादि आते थे उन्हें ब्लॉक कर दिया। साथ ही साइबर क्राइम में अज्ञात शख्स के खिलाफ शिकायत कर दी। साइबर क्राइम ने अलग अलग नंबरों से अश्लील वीडियो और तस्वीरें भेजने वाले अर्चन रेसिडेन्सी के सिक्युरिटी गार्ड पुष्कराम आर्या को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में गार्ड ने बताया कि वह अविवाहित है और उसे युवतियों से दोस्ती करना अच्छा लगता है। उसने बताया कि वह फेसबुक से अलग अलग युवतियों को मैसेज भी करता था। उस दौरान शिकायतकर्ता महिला उसकी सोसायटी में आई थी, जो उसे पसंद आ गई। सोसायटी के रजिस्टर से विवाहिता का मोबाइल नंबर लेकर उसे अश्लील वीडियो, तस्वीरें और मैसेज करने लगा।

मृत्यु प्रमाण पत्र और मौत के आंकड़ों को लेकर गृह राज्यमंत्री ने की स्पष्टता

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने और मौत के आंकड़ों को लेकर स्पष्ट किया है कि सरकार मौत के आंकड़े छिपा नहीं रही। डेथ सर्टिफिकेट को आधार बनाते हुए मौत के आंकड़े छिपाने की खबरें आधारहीन और लोगों में दहशत का माहौल पैदा करने की मानसिकता के प्रकाशित की गई हैं। ७१ दिनों में १.२३ लाख डेथ सर्टिफिकेट जारी किए जाने की खबर पूरी तरह निराधार और वास्तविकता से परे है। अखबारों में मृत्यु प्रमाण पत्र को आधार बनाकर कोविड १९ से मौत का दावा किया गया है। मीडिया से बातचीत में जाडेजा ने स्पष्ट कियाकि गुजरात में मृत्यु पंजीयन प्रमाण पत्र और डेथ सर्टिफिकेट जारी करने के लिए ऑनलाइन पारदर्शी पद्धति है। जब किसी परिवार में मुखिया या सदस्य की मृत्यु होती है तब बैंक, इंस्योरंश, एलआईसी जैसे विभिन्न मामलों में डेथ सर्टिफिकेट की जरूरत होती है। किसी सदस्य की मौत के बाद परिवार को घर बैठे ऑनलाइन पद्धति से प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने की पारदर्शी व्यवस्था शुरूकी

सार-समाचार

चक्रवात की चेतावनी के मद्देनज़र पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें निरस्त कुछ गंतव्य से पहले होंगी समाप्त

अहमदाबाद,चक्रवाती तूफान ताउते की चेतावनी के मद्देनज़र यात्रियों तथा ट्रेन परिचालन में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कुछ ट्रेनों को निरस्त तथा कुछ को गंतव्य से पहले समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, गुजरात के सौराष्ट्रल आदि क्षेत्रों में १७ एवं १८ मई, २०२१ को चक्रवाती तूफान की चेतावनी के मद्देनज़र निम्नलिखित ट्रेनों को निरस्त अथवा शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा। यात्रियों से अनुरोध है कि वे यात्रा प्रारंभ करने से पहले इन बदलावों को ध्यान में रखें। निरस्त अथवा शॉर्ट टर्मिनेट की जाने वाली ट्रेनों का विवरण नीचे दिया जा रहा है-

निरस्त ट्रेनें-

(१५.०५.२०२१ को निरस्त की गई ट्रेनें)
१. ट्रेन नंबर ०९०७० वाराणसी-ओखा
२. ट्रेन नंबर ०९२०६ हावड़ा-पोरबंदर
३. ट्रेन नंबर ०६५०६ केएसआरबेंगलुरु-गांधीधाम
(१६.०५.२०२१ को निरस्त की गई ट्रेनें)
१. ट्रेन नंबर ०९११५ दादर-भुज
२. ट्रेन नंबर ०९४५५ बांद्रा टर्मिनस-भुज
३. ट्रेन नंबर ०९००३ बांद्रा टर्मिनस-भुज
४. ट्रेन नंबर ०२९४५ मुंबई सेंट्रल-ओखा
५. ट्रेन नंबर ०४३२१ बरेली-भुज
६. ट्रेन नंबर ०१४६४ जबलपुर-सोमनाथ
७. ट्रेन संख्या ०४६८० श्री माता वैष्णो देवी कटरा-जामनगर
८. ट्रेन नंबर ०९५६६ देहरादून-ओखा
९. ट्रेन नंबर ०८४०१ पुरी-ओखा
१०. ट्रेन नंबर ०९२७० मुजफ्फरपुर-पोरबंदर
११. ट्रेन नंबर ०९०९४ संतागाछी-पोरबंदर
(१७.०५.२०२१ को निरस्त की गई ट्रेनें)
१. ट्रेन नंबर ०९११५ दादर-भुज
२. ट्रेन नंबर ०९४५५ बांद्रा टर्मिनस-भुज
३. ट्रेन नंबर ०२९७१ बांद्रा टर्मिनस-भावनगर टर्मिनस
४. ट्रेन नंबर ०२९७२ भावनगर-बांद्रा टर्मिनस
५. ट्रेन नंबर ०२९४५ मुंबई सेंट्रल-ओखा
६. ट्रेन नंबर ०१४६५ सोमनाथ-जबलपुर
७. ट्रेन नंबर ०४३२२ भुज-बरेली
८. ट्रेन नंबर ०२७५५ राजकोट-सिकंदराबाद
९. ट्रेन नंबर ०२७५६ सिकंदराबाद-राजकोट
१०. ट्रेन नंबर ०९४५६ भुज-बांद्रा टर्मिनस
११. ट्रेन नंबर ०९००४ भुज-बांद्रा टर्मिनस
१२. ट्रेन नंबर ०९११६ भुज-दादर
१३. ट्रेन नंबर ०४३२१ बरेली-भुज
१४. ट्रेन नंबर ०१४६६ जबलपुर-सोमनाथ
१५. ट्रेन संख्या ०४६७८ श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा- हापा
१६. ट्रेन नंबर ०११९२ पुणे-भुज
१७. ट्रेन नंबर ०९२३८ रीवा-राजकोट
१८. ट्रेन नंबर ०९२४० बिलासपुर-हापा
१९. ट्रेन नंबर ०९५७२ भावनगर-सुरेंद्रनगर
२०. ट्रेन नंबर ०९५१३ राजकोट-वेरावल
२१. ट्रेन नंबर ०९५०३ सुरेंद्रनगर-भावनगर
२२. ट्रेन नंबर ०९५१४ वेरावल-राजकोट
(१८.०५.२०२१ को निरस्त की गई ट्रेनें)
१. ट्रेन नंबर ०९११६ भुज-दादर
२. ट्रेन नंबर ०९४५६ भुज-बांद्रा टर्मिनस
३. ट्रेन नंबर ०२९४६ ओखा-मुंबई सेंट्रल
४. ट्रेन नंबर ०१४६३ सोमनाथ-जबलपुर
५. ट्रेन नंबर ०४३१२ भुज-बरेली
६. ट्रेन नंबर ०९२०४ पोरबंदर-सिकंदराबाद
७. ट्रेन नंबर ०२९४१ भावनगर-आसनसोल
८. ट्रेन नंबर ०६५०५ गांधीधाम-केएसआर बेंगलुरु
९. ट्रेन नंबर ०४६७७ हापा-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा
१०. ट्रेन नंबर ०९५७२ भावनगर-सुरेंद्रनगर
११. ट्रेन नंबर ०९५१३ राजकोट-वेरावल
१२. ट्रेन नंबर ०९५०३ सुरेंद्रनगर-भावनगर
१३. ट्रेन नंबर ०९५१४ वेरावल-राजकोट
(१९.०५.२०२१ को निरस्त की गई ट्रेनें)
१. ट्रेन नंबर ०८४०२ ओखा-पुरी
२. ट्रेन नंबर ०११९१ भुज-पुणे
३. ट्रेन नंबर ०९२०३ सिकंदराबाद-पोरबंदर
४. ट्रेन नंबर ०४६७९ जामनगर-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा
२३. ट्रेन नंबर ०२९४६ ओखा-मुंबई सेंट्रल
(२०.०५.२०२१ को निरस्त की गई ट्रेनें)
१. ट्रेन नंबर ०२९४२ आसनसोल-भावनगर
(२१.०५.२०२१ को निरस्त की गई ट्रेनें)

शॉर्ट टर्मिनेट/शॉर्ट ओरिजिनेट की जाने वाली ट्रेनें

१. १५.०५.२०२१ की ट्रेन नंबर ०२९७४ पुरी-गांधीधाम को अहमदाबाद में शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा।
२. १४.०५.२०२१ की ट्रेन नंबर ०६७३३ रामेश्वरम-ओखा को अहमदाबाद में शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा।
३. १८.०५.२०२१ की ट्रेन संख्या ०६७३४ ओखा-रामेश्वरम को अहमदाबाद से शॉर्ट ओरिजिनेट किया जाएगा।
४. १४.०५.२०२१ की ट्रेन नंबर ०६३३८ एर्नाकुलम-ओखा को अहमदाबाद में शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा।
५. १७.०५.२०२१ की ट्रेन संख्या ०६३३७ ओखा-एर्नाकुलम को अहमदाबाद से शॉर्ट ओरिजिनेट किया जाएगा।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शनिवार को चार महीने पूरे, 120 दिनों में भारत में अब तक करीब 18 करोड़ वैक्सीन की डोज लगाई

भारत को है कोरोना से बचाना तो अगस्त से रोज लगानी होंगी 90 लाख वैक्सीन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में भले ही वैक्सीन की कमी देखी जा रही है, मगर जुलाई के बाद वैक्सीन के उत्पादन में बढ़ोतरी से यह संकट दूर हो जाएगा। केंद्र सरकार ने अनुमान जताया है कि अगस्त से दिसंबर के बीच भारत के पास करीब 200 करोड़ से अधिक कोरोना वैक्सीन की खुराकें उपलब्ध होंगी, जिससे 18 से 45 साल वाले आयु वर्ग के लोगों के लिए भी वैक्सीनेशन की रफ्तार तेज होगी। साथ ही यह संभावना जताई है कि इस साल के अंत तक 18 प्लस आयु वर्ग के सभी लोगों को टीका लगा दिया जाएगा। दरअसल, देश में कोरोना वायरस के खिलाफ 16 जनवरी से चल रहे टीकाकरण अभियान के आज शनिवार को चार महीने यानी 120 दिन पूर हो रहे हैं। इन 120 दिनों में भारत में अब तक करीब 18 करोड़ वैक्सीन की डोज लगाई गई है। अगर औसत की बात करें तो एक दिन में भारत ने अब तक 15 लाख वैक्सीन के डोज लगाए हैं। हालांकि, पिछले चार महीने में भले ही टीकाकरण की रफ्तार कम रही हो और औसतन 15 लाख डोज के हिसाब से एक दिन में वैक्सीन लगी हो, मगर, अब वैक्सीनेशन की रफ्तार में तेजी देखी गई है। पिछले सप्ताह देश में एक दिन में औसतन 17 लाख वैक्सीन के डोज लगाए गए हैं। सरकार का अनुमान है कि जुलाई के अंत तक वैक्सीन की सप्लाई में बढ़ोतरी होगी। एक खबर के मुताबिक, भारत में अनुमानित वयस्क आबादी करीब 94 करोड़ है और इस आबादी को टीका लगाने के लिए 188 करोड़ डोज की जरूरत होगी। वयस्क आबादी को वैक्सीन लगाने के लिए साल के बाकी 231 दिनों में 170 करोड़ डोज की जरूरत होगी। इस तहह से देखें अभी जो टीकाकरण की रफ्तार है उसके औसत के हिसाब से करीब पांच गुना ज्े यादा खुराकें लगानी होंगी। खबर के मुताबिक, सरकार का अनुमान है कि देश में जून में 10 करोड़ और जुलाई में 15 करोड़ वैक्सीन के डोज उपलब्ध होंगे। अगले 78 दिनों या फिर जुलाई के अंत तक सरकार का अनुमान है कि भारत में 33 करोड़ टीके लगा दिए जाएंगे। अगर ऐसा होता है तो एक अगस्त से 31 दिसंबर तक कोरोना वैक्सीन की 137 करोड़ डोज लगानी बच जाएंगी। अगर अनुमान सही बैठ जाता है तो भारत दुनियाभर में वैक्सीनेशन के मामले में रिकॉर्ड बना लेगा। इससे पहले भारत ने ही 5 अप्रैल को एक दिन में सबसे अधिक 41.6 करोड़ खुराकें लगाकर रिकॉर्ड बनाया था। हालांकि, भारत सरकार का यह टारगेट संभव भी दिख रहा है, क्योंकि आने वाले दिनों में टीकाकरण अभियान से कम से कम आठ वैक्सीनों के नाम जुड़ जाएंगे। नीति आयोग के वीके पॉल के मुताबिक, अगस्त से दिसम्बर तक टीके की 216 करोड़ खुराक का उत्पादन होने का अनुमान है, जिसमें से कोविशील्ड की 75 करोड़ खुराक जबकि कोवैक्सीन की 55 करोड़ खुराक शामिल होगी।

गुजरात की ओर बढ़ रहा है तौकते चक्रवात, एनडीआरएफ की 15 टीमें तैयार

अहमदाबाद (एजेंसी).

अरब सागर में सक्रिय तौकते चक्रवात का खतरा गुजरात पर मंडरा रहा है. फिलहाल चक्रवात दक्षिण और दक्षिण पूर्व वेरावल से 920 किलोमीटर दूर है, जिसके 18 को गुजरात से टकराने की संभावना है. चक्रवात को देखते हुए मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की चेतावनी दी गई है. चक्रवात के असर से तटीय क्षेत्रों में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना मौसम विभाग ने व्यक्त की है. गुजरात में सौराष्ट्र क्षेत्र के तटीय जिलों में 16 मई से बारिश होने की संभावना है. 17 मई को भारी से अत्यंत भारी बारिश हो सकती है। वहीं, 18 मई को सौराष्ट्र और कच्छ में कुछ जगहों पर भारी से अत्यंत भारी तथा किसी-किसी स्थान पर अत्यंत भारी बारिश होने की संभावना है। तूफान को 'तौकते' नाम म्यांमार ने दिया है जिसका मतलब 'छिपकली' होता है। इस साल भारतीय तट पर यह पहला चक्रवाती तूफान होगा। संभावित चक्रवात को देखते हुए सौराष्ट्र के ज्यादातर बंदरगाहों पर 2 नंबर का सिग्नल लगा दिया गया है. जिसमें जामनगर बेडी, नवा बंदरगाह, रोजी, सिक्का, देवभूमि द्वारका के ओखा, लांबा,सलाया, वेरावल बंदरगाह समेत पोरबंदर के तटीय क्षेत्र में 2 नंबर का सिग्नल लगाया गया है. इसी के साथ सौराष्ट्र में एनडीआरएफ की 15 टीमों को तैनात किया जाएगा. एनडीआरएफ की 2 टीमें अमरेली में, गिर सोमनाथ में 2, देवभूमि द्वारका में 2, राजकोट में 2, पोरबंदर में 2, जामनगर में 2, कच्छ में 2 और भावनगर में एक टीम को तैनात की जाएगी. फिलहाल वडोदरा के जरोद स्थित एनडीआरएफ मुख्यालय से 2 टीमों को गिर सोमनाथ के लिए रवाना कर दिया गया है. जबकि 15 टीमें मुख्यालय पर स्टेन्डबाय रहेंगी और आदेश मिलते ही विभिन्न जिलों में रवाना होंगी. कोरोना की स्थिति को देखते हुए एनडीआरएफ की टीमों में पीपीई किट मुहैया करवाई गई है.

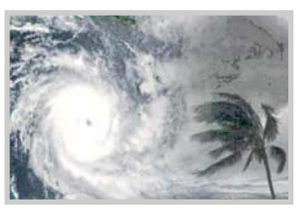

कूचबिहार और असम के बाद नंदीग्राम पहुंचे राज्यपाल धनखड़, पीड़ित परिवारों से की बात

-धनखड़ ने असम के धुबरी जिले एक शिविर का दौरा भी किया, जहां लोगों ने शरण ले रखी है -कांग्रेस व सत्तारूढ़ दल ने दावा किया कि धनखड़ केवल भाजपा कार्यकर्ताओं के घर पर ही गए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने आज नंदीग्राम में उन जगहों का दौरा किया, जहां विधानसभा चुनाव के बाद हिंसा की घटनाएं हुई थीं। उन्होंने पीड़ित परिवारों से बात भी की। भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने हाल में नंदीग्राम में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को चुनाव में हराया। अधिकारी पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं। इससे पहले दिन में धनखड़ ने असम के धुबरी जिले में एक शिविर का दौरा किया, जहां पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले के अनेक लोगों ने शरण ले रखी है। ये लोग हिंसा की घटनाओं के बाद धुबरी चले गए थे। राज्यपाल के कूचबिहार दौरे को लेकर तृणमूल कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया दी। सत्तारूढ़ दल ने दावा किया कि धनखड़ केवल भाजपा कार्यकर्ताओं के घर पर ही गए। राज्यपाल को जिले के सीतलकूची में काले झंडे दिखाए गए, जहां चार ग्रामीण चुनाव के दौरान केंद्रीय बलों की गोलीबारी में मारे गए थे। वहीं, जिले के दिनहाटा में धनखड़ के दौरे के वक्त लोगों ने 'वापस जाओ' के नारे लगाए गए। उन्होंने ट्वीट के जरिए जानकारी दी कि शनिवार को वह नंदीग्राम में उन जगहों का दौरा करेंगे, जहां विधानसभा चुनाव के बाद हिंसा की घटनाएं हुई थीं।

उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कोविड टीके का उत्पादन बढ़ाने के उपायों पर यूएसटीआर के साथ चर्चा की

नई दिल्ली । केन्द्रीय रेल, वाणिज्य एवं उद्योग और उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि, राजदूत कैथरीन ताई के साथ 14 मई 2021 को वर्चुअल मीटिंग के जरिये बातचीत की। बैठक में वैश्विक महामारी कोविड-19 से निपटने के लिए टीके की उपलब्धता समावेशी और समान तरीके से बढ़ाने पर जोर दिया गया। वैश्विक टीका उत्पादन बढ़ाने के लिए ट्रिप्स के कुछ प्रावधानों को छूट देने के भारत के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई जिससे गरीब से गरीब व्यक्ति को टीका लगाने और जीवन बचाने की चुनौती से निपटने में मदद मिले। मंत्री ने यूएसटीआर को भारत के प्रस्ताव को अपना समर्थन देने की घोषणा करने के लिए धन्यवाद दिया। मंत्री ने कहा कि टीका निर्माताओं के लिए आपूर्ति श्रृंखला को खुला और बिना किसी रुकावट रखा जाना चाहिए क्योंकि पूरी दुनिया को टीकों की सख्त जरूरत है। दोनों देश टीके की उपलब्धता बढ़ाने और लोगों की जान बचाने के साझा संकल्प की दिशा में काम करने पर सहमत हुए।

बारिश और तूफान में बीच समुद्र में फंसे थे 3 मछुआरे, भारतीय तटरक्षकों ने बचाया

-विक्रम पर सवार सभी कर्मी सुरक्षित हैं और उन्हें सौंपने के लिए कोच्चि ले जाया जा रहा है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय तटरक्षक जहाज विक्रम ने कल आधी रात के ऑपरेशन में केरल के कन्नूर से मछली पकड़ने वाली नाव बधरिया को 3 चालक दल के साथ बचाया। विक्रम पर सवार सभी कर्मी सुरक्षित हैं और उन्हें सौंपने के लिए कोच्चि ले जाया जा रहा है। भारतीय तटरक्षक ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है। रक्षा पीआरओ ने एक बयान में कहा, भारतीय तटरक्षक जहाज विक्रम ने कनूर से 22-30 बजे मछली पकड़ने वाली एक छोटी नाव से तीन मछुआरों को बचाया है। मछली पकड़ने वाली स्थानीय नौकाएं और एमईडब्ल्यू नौकाएं बचाव के लिए बाहर नहीं जा सकीं। जहाज सौंपने के लिए कोच्चि जा रहा है। केरल में इस बार मानसून का आगमन तय समय से एक दिन पहले होगा। मौसम विभाग ने कहा है कि 31 मई को केरल में मानसून छने की संभावना है। मानसून के केरल पहुंचने की सामान्य तिथि एक जून है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को मानसून के केरल पहुंचने को लेकर पूर्वानुमान जारी किया। इसमें कहा गया है कि 21 मई को अंडमान सागर से मानसून के सक्रिय होने की संभावना है। इसके लिए अगले कुछ दिनों में अनुकूल मौसमी परिस्थितियां बन रही हैं। 31 मई को मानसून के केरल में दस्तक देने की संभावना है। इसमें चार दिनों की माडलीय त्रुटि हो सकती है। पिछली बार थोड़े विलंब से 5 जून को केरल में मानसून ने दस्तक दी थी, लेकिन कई मौके ऐसे आए हैं जब यह समय से पहुचा है। 2018 में 29 मई तथा 2017 में 30 मई को मानसून केरल पहुंचा था।

बिहार में लॉकडाउन और कोरोना की वजह से घटे विमान यात्री, पटना एयरपोर्ट से रद्द की गईं 20 उड़ानें

पटना (एजेंसी)।

बिहार में बढ़ते कोरोना संक्रमण को लेकर 25 मई तक लॉकडाउन लगाया गया है। इसका प्रभाव अब विमान परिचालन पर भी पड़ रहा है। यात्रियों की संख्या कम होने से विमानों का रद्द होने का सिलसिला लगातार जारी है। शुक्रवार को भी पटना एयरपोर्ट से 10 जोड़ी विमान रद्द किए गए थे। ऐसे में लोग विमान से यात्रा करने से परहेज कर रहे हैं। सबसे ज्यादा दिल्ली से आने वाले विमानों की उड़ाने रद्द की गई है। इसके साथ-साथ पुणे, कोलकाता, चंडीगढ़ और मुम्बई से आने वाले विमानों को भी शुक्रवार को रद्द कर दिया गया है। विमानन कंपनियों ने कहा कि लॉकडाउन और कोरोना संक्रमण की वजह से लोग इन दिनों सफर करने से परहेज कर रहे हैं। यात्रियों की संख्या कम होने के कारण ही विमानन कंपनियां अपने विमानों की संख्या लगातार कम कर रही हैं। बिहार में लॉकडाउन को 25 मई तक बढ़ाया गया है। ऐसे में कहीं न कहीं लॉकडाउन का असर अब एयरपोर्ट पर आने वाले विमानों पर भी दिखने लगा है। विमानों की संख्या लगातार घटती जा रही है। जिस तरह से यात्री लगातार कम हो रहे हैं, उससे आने वाले समय में और भी विमानों में कमी हो सकती है। पटना एयरपोर्ट से रोजाना 96 विमानों की आवाजाही होती है। कुछ हफ्ते पहले से ही पटना से बाहर जाने वालों यात्री की संख्या में कमी हो रही थी और अब आने वाले यात्री भी कम हो रहे हैं। बिहार में कोविड-19 संक्रमण से 77 और मरीजों की मौत हो जाने से शुक्रवार को राज्य में मृतक संख्या बढ़कर 3670 हो गई है। बिहार के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार राज्य में कोविड-19 के 7,494 नए मामले सामने आए हैं। राज्य के 40 जिलों में से सबसे अधिक प्रभावित पटना में कोविड-19 के 967 नए मामले सामने आए हैं। जिले में अभी तक कोविड-19 के 1.32 लाख मामले सामने आए हैं।

'द कपिल शर्मा शो' की सुमोना चक्रवर्ती ने बयां किया दर्द

-बेरोजगार हूं, 10 साल से एंडोमेट्रियोसिस बीमारी से जूझ रही हूं

मुंबई (एजेंसी)।

कपिल शर्मा के शो में भूरी का रोल कर मशहूर हुईं सुमोना चक्रवर्ती ने खुलासा किया है कि उनके पास काम नहीं है। कपिल का शो भी बंद हो गया है ऐसे में सुमोना के पास कोई काम नहीं बचा है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर के साथ लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा है। साथ ही अपनी बीमारी के बारे में बताया जिससे वो पिछले 10 सालों से जूझ रही हैं। सुमोना लिखती हैं कि 'लंबे समय के बाद घर पर ठीक से वर्कआउट किया। कुछ दिन ऐसे होते हैं जब मैं खुद को दोषी महसूस करती हूं क्योंकि बोरियत प्रीविलेज (सुविधाओं से युक्त) है। मैं बेरोजगार हूं और फिर भी मैं खुद का और अपने परिवार का पेट भरने में सक्षम हूं। यह प्रीविलेज ही है। कई बार मैं खुद को दोषी महसूस करती हूं। खासकर तब जब मैं पीएमएस (प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम) की वजह से उदास हो जाती हूं। मूड स्विंग होना इमोशनली परेशान करता है।'

कुछ चीजें मैंने पहले कभी शेयर नहीं कीं। मैं 2011 से एंडोमेट्रियोसिस से जूझ रही हूं। कई सालों से चौथे स्टेज पर हूं। खाने की सही आदत, एक्सरसाइज और सबसे जरूरी कोई तनाव ना लेने से मेरा स्वास्थ्य ठीक है। लॉकडाउन मेरे लिए भावनात्मक रूप से कठिन रहा है। एंडोमेट्रियोसिस से पेट में दर्द की शिकायत और कंसीव न कर पाने जैसी समस्याएं होती हैं। सुमोना कहती हैं कि 'आज मैंने वर्कआउट किया। अच्छा महसूस हो रहा है। मैंने सोचा अपनी भावनाएं जाहिर करती हूं जिससे जो कोई भी पढ़े इसे समझे कि जो कुछ भी चमकता है वह सोना नहीं है। हम सब किसी ना किसी चीज के लिए संघर्ष कर रहे हैं। हम सबके पास लड़ने के लिए अपनी अपनी लड़ाई है। हम दुख, दर्द, तनाव, चिंता, नफरत से घिरे हैं। आप सभी को प्यार, सहानुभूति और दया की जरूरत है।

सुमोना लिखती हैं कि 'इस तरह के व्यक्तिगत नोट को साझा करना बिल्कुल भी आसान नहीं है। यह मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर का रास्ता था, लेकिन अगर यह पोस्ट कुछ लोगों के चेहरे पर मुस्कान ला सकता है या उन्हें किसी भी तरह से प्रेरित कर सकता है तो मुझे लगता है कि सब ठीक है। ढेर सारा प्यार।'

पहली और दूसरी डोज के बीच अंतर को बढ़ाकर 12-16 सप्ताह करने के निर्देश दिए

कोविशील्ड की डोज में अंतर बढ़ने से नहीं होगी कोई दिक्कत, जानकारों ने कहा

बेंगलुरु (एजेंसी)।

केंद्र सरकार ने राज्यों को एंडी कोविड वैक्सीन कोविशील्ड की पहली और दूसरी डोज के बीच अंतर को बढ़ाकर 12-16 सप्ताह करने के निर्देश दिए है। इससे पहले यह अंतर 6 से 8 सप्ताह के बीच था। केंद्र का कहना है कि यह 'विज्ञान आधारित फैसला है' और इस विश्वास के साथ लिया गया है कि इससे कोई अतिरिक्त खतरा नहीं होगा। सरकार की तरफ से कोवैक्सिन की दोनों डोज के बीच समय के अंतर को लेकर कोई बदलाव नहीं हुआ है। पिछले कुछ महीनों में दूसरी बार ऐसा हुआ है, जब कोविशील्ड टीके की दो डोज के बीच का टाइम गैप को बढ़ाया गया है। सरकार के बदलाव के बाद कोविशील्ड की दोनों डोज ले चुके बुजुर्ग चिंतित होने के साथ ही दुविधा में है। 4 सप्ताह के भीतर कोविशील्ड लगवा चुके बुजुर्ग इस लेकर दुविधा में हैं कि क्या उनके द्वारा पहले ली गई डोज उतनी कारगर होगी या नहीं। एक बुजुर्ग का कहना है कि हमने 6-8 सप्ताह में वैक्सीन की दूसरी डोज ली है, लेकिन नई एडवाइजरी में 12-16 सप्ताह का अंतर बताया गया है। इसकारण हम काफी कन्फ्यूज हैं। इस बारे में जानकारों का कहना है कि कोविशील्ड की दूसरी डोज में गैप बढ़ाने से पूरी तरह से कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि चार सप्ताह का गैप बीमारी के गंभीर रूप से 100 प्रतिशत तक सुरक्षा देता है। लेकिन यह माइल्ड और मॉडरेट कोरोना मामलों में 100 प्रतिशत कारगर नहीं होता है।

वैक्सीन के कारगर होने में 12 वीक के गैप को लेकर अभी तक ऐसी कोई स्टडी नहीं हुई है। अब तक जो सभी वैक्सीन के बारे में जानकारी है, उसके अनुसार भले ही आप दूसरी डोज में एक साल की भी देरी कर तो भी पहली डोज कारगर रहेगी। उन्होंने कहा कि 4 सप्ताह का गैप एक आदर्श स्थिति है। लेकिन यदि सप्लाई में दिक्कत है तो देरी से अच्छा है कि अधिक से अधिक लोगों को पहली डोज लग जाए। उन्होंने कहा कि यदि कोई कोवैक्सिन की दूसरी डोज मिस कर जाता है तो वह उसे एक साल के भीतर ले सकता है।

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल में बढ़ा कोरोना का संक्रमण, औसतन 50 लोगों की रोजाना हो रही मौतें

शिमला। हिमाचल प्रदेश में कोरोना के 50 से अधिक मरीजों की रोजाना मौत हो रही हैं। शुक्रवार को राज्य में अब तक सबसे अधिक 67 मौतें दर्ज की गई हैं। कोरोना से संक्रमित होकर मरने वालों में एक माह की एक बच्ची भी शामिल है। शिमला के आईजीएमसी अस्पताल में इस बच्ची को भर्ती कराया गया था। यह बच्ची ठियोग के धरेच की थी। उसे 7 मई को आईजीएमसी में भर्ती कराया गया था और अब 13 मई को उसकी मौत हो गई। बच्ची में कोविड निमोनिया का लक्षण पाया गया था। नोजल ब्लॉकेज के चलते बच्ची को सांस लेने में भी परेशानी हो रही थी। इलाज के दौरान आईजीएमसी में उसकी मौत हो गई। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में अब तक 19959 कोरोना मामले सामने आ चुके हैं। यहां 3394 एक्टिव केस हैं। शिमला में 180 नए केस रिपोर्ट हुए हैं। शिमला जिले में अब तक कोरोना से 437 लोगों की मौत हो चुकी है। हिमाचल प्रदेश में कुल कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 153717 पहुंच गया है। इनमें से 111878 संक्रमित ठीक हो चुके हैं। 39623 सक्रिय कोरोना मामले हैं और 2185 संक्रमितों की मौत हुई है। बिलासपुर में कोरोना के सक्रिय केसों की संख्या 3078, चंबा 2309, हमीरपुर 2884, कांगड़ा 12272 , किन्नौर 375, कुल्लू 941, लाहौल-स्पीति 268, मंडी 4375, शिमला 3394, सिरमौर 3206, सोलन 3932 और ऊना जिले में 2589 पहुंच गई है। बीते 24 घंटों में 3362 संक्रमित ठीक हुए हैं। इस दौरान कोरोना की जांच के लिए 11388 लोगों के सैंपल लिए गए।

बिना कर्फ्यू पास और नेगेटिव रिपोर्ट कुल्लू पहुंचे 7 पर्यटक गिरफ्तार

कुल्लू। बिना कर्फ्यू पास और कोरोना नेगेटिव रिपोर्ट के दो गाड़ियों से कुल्लू पहुंचे दिल्ली और हरियाणा के टूरिस्टों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक कुल्लू गौरव सिंह ने कहा कि प्रदेश में आने वाले पर्यटकों को ई-पास के साथ कोरोना की आरटीपीसीआर की निगेटिव रिपोर्ट होना जरूरी है। इनके विरुद्ध भुंतर थाना में केस दर्ज किया गया है। कुल्लू पुलिस ने कोविड प्रोटोकाल का उल्लंघन करने वाले लोगों को रोकने के लिए पुलिस टीमों का गठन किया है। पुलिस की कई टीमें बिना अनुमति आवाजाही करने वाले लोगों और वाहनों की लगातार जांच कर रही हैं। भुंतर पुलिस ने दो पर्यटक वाहनों में कुल्लू पहुंचने वाले सात सैलानियों को गिरफ्तार कर लिया। इन पर्यटकों ने बिना आरटीपीसीआर रिपोर्ट और बिना कोविड ई-पास के राज्य में प्रवेश किया था। दिल्ली और हरियाणा से आए पर्यटक दो अलग-अलग वाहनों से मनाली जा रहे थे। पुलिस अधीक्षक कुल्लू गौरव सिंह ने कहा कि प्रदेश में आने वाले पर्यटकों को ई-पास के साथ कोरोना की आरटीपीसीआर की निगेटिव रिपोर्ट होना जरूरी है। इन पर्यटकों के पास न तो पास था और न कोरोना की नेगेटिव रिपोर्ट थी। उन्होंने बताया कि इनके विरुद्ध भुंतर थाना में केस दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है कि राज्य में एक सप्ताह का कर्फ्यू लगाया गया है। ऐसे में पर्यटकों द्वारा कोरोना कर्फ्यू का उल्लंघन करने का यह पहला मामला सामने आया है।

प्रौद्योगिकी विभाग ने अनुसंधान सुविधाओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए प्रमुख विश्लेषणात्मक उपकरणों वाले केंद्र स्थापित किए

नई दिल्ली। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा उच्च स्तर के विश्लेषणात्मक परीक्षण की आम सेवाएं प्रदान करने के लिए कई प्रमुख विश्लेषणात्मक उपकरणों वाले कई केंद्र स्थापित किए हैं, इस प्रकार नकल करने से बचा जा सकेगा और विदेशी स्रोतों पर निर्भरता कम की जा सकेगी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-आईआईटी खड़गपुर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-आईआईटी दिल्ली और बीएचयू वाराणसी में स्थापित ऐसे 3 केंद्रों को पारदर्शी, खुली पहुंच की नीति के साथ संचालित किया है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की परिष्कृत विश्लेषणात्मक और तकनीकी सहायता संस्थान (साथी) योजना के तहत शुरू किए गए ये केंद्र देश में साझा, पेशेवर रूप से प्रबंधित, और मजबूत विज्ञान और प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे की आवश्यकता को पूरा करेंगे, जो शिक्षा, स्टार्ट-अप्स, विनिर्माण, उद्योग और अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं के लिए आसानी से सुलभ होंगी। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने अगले चार वर्षों के लिए हर साल पांच साथी केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई है। साथी हमारे संस्थानों में महंगे उपकरणों की पहुंच, रखरखाव, अतिरेक और नकल की समस्याओं का समाधान करेगा, जबकि जरूरतमंद कम संपन्न संगठनों, जैसे, उद्योग, एमएसएमई, स्टार्टअप और राज्य विश्वविद्यालयों तक पहुंच बनाएगा। यह विविध क्षेत्रों में विकास, नवाचारों और विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिए संस्थानों और सभी विषयों के बीच सहयोग की एक मजबूत संस्कृति को भी बढ़ावा देगा।

कोच्चि रिफाइनरी परिसर में स्थापित होगा एक बहुत बड़ा अस्थायी कोविड केन्द्र

नई दिल्ली। केरल के अंबालामुगल में बीपीसीएल के कोच्चि रिफाइनरी द्वारा संचालित स्कूल के परिसर से सटे 100-बिस्तरों वाला का एक अस्थायी कोविड उपचार केन्द्र आज खोला गया। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), जोकि भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत एक महारत्न सार्वजनिक उपक्रम है, इस केन्द्र को मुफ्त ऑक्सीजन, बिजली और पानी मुहैया करायेगा। ऑक्सीजन की आपूर्ति एक समर्पित स्टेनलेस स्टील पाइपलाइन के जरिए की जायेगी। इस चिकित्सा सुविधा केन्द्र में पहले चरण में 100 बिस्तर होंगे, जिसे बाद में बढ़ाकर 1,500 बिस्तरों तक किया जायेगा। भारत पेट्रोलियम मुंबई और बीना स्थित रिफाइनरियों में अपनी सुविधाओं में उन्नयन करके सरकारी अस्पतालों और चिकित्सा केन्द्रों को प्रति माह 600 मीट्रिक टन मुफ्त गैसीय ऑक्सीजन की आपूर्ति के जरिए स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सहयोग करने में सबसे आगे रहा है। यह सार्वजनिक उपक्रम अपने कोच्चि स्थित रिफाइनरी से हर महीने 100 मीट्रिक टन तरल ऑक्सीजन की आपूर्ति करता है। बीपीसीएल महाराष्ट्र में दो सरकारी अस्पतालों, केरल में तीन अस्पतालों और मध्य प्रदेश में पांच अस्पतालों में पीएसए ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित कर रहा है। इसके अतिरिक्त, रिफाइनरी में बॉटलिंग कंप्रेसर भी लगाया जा रहा है, जो सिलेंडर के जरिए ऑक्सीजन की आपूर्ति में मदद करेगा। संजय खन्ना, कार्यकारी निदेशक (कोच्चि रिफाइनरी), बीपीसीएल ने कहा कि ऐसे कठिन समय में भारत पेट्रोलियम हमेशा समाज तक मदद पहुंचाने में सबसे आगे रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)